RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनन्क्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 81 ता. 17 सितम्बर 2024, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

उमर घबराए हुए हैं इसलिए दो-दो जगह से लड़ रहे चुनाव : इल्तिजा मुफ़्ती

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों को लेकर रैली होने लगी हैं राजनीतिक हलचल और बायनबाज़ी भी शुरू हो गई है। सभी राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहा हैं। इसी बीच अब पीडीपी नेता और कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ़्ती की बेटी इल्तिजा मुफ़्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्लाह पर निशाना साधा है। इससे पहले उमर अब्दुल्लाह ने पीडीपी के बारे में कहा था कि उसने राज्य के लिए कुछ नहीं किया। उमर अब्दुल्लाह के बयान पर पलटवार करते हुए इल्तिजा मुफ़्ती ने कहा कि वह परेशान और घबराए हुए हैं, तभी वह दो-दो जगहों से चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में इल्तिजा अपनी मां महबूबा मुफ़्ती की सीट से चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज कश्मीर के नौजवानों समेत सभी लोग पीडीपी से जुड़ रहे हैं और उसके साथ खड़े हैं। केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए इल्तिजा ने कहा कि दिल्ली की मोदी सरकार कश्मीर के लोगों को उनकी ज़मीनों, नौकरियों और मुद्दों से बेदख़ल करने की कोशिश कर रही है।

सीबीएसई ने अनियमितताओं के चलते 27 स्कूलों के खिलाफ एक्शन लिया

अजमेर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राजस्थान और दिल्ली में बोर्ड से संबद्ध 27 स्कूलों के खिलाफ एक्शन लिया है। इन स्कूलों में किए गए निरीक्षण के दौरान निमयों के उल्लंघन की कई अनियमितताएं मिली। ये नोटिस दिल्ली से सीबीएसई के सचिव की ओर से जारी किए गए है। इन स्कूल संचालकों से जांच में मिली अनियमितताओं के संबंध में जवाब मांगा है। खास तौर पर इन संस्थानों में नामांकन और उपस्थिति के नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आए है। निरीक्षण से पता चला कि स्कूलों ने कक्षा 11 व 12 में इसतरह के छात्रों की संख्या अधिक दर्ज की है, जो फिजिकल रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं होते हैं। इसके अलावा, इन स्कूलों द्वारा बनाए गए उपस्थिति रिकॉर्ड में विसंगतियां मिली। जिससे सीबीएसई नियमों के अनुपालन पर संदेह पैदा हुआ। यह भी पाया गया कि कुछ संस्थान बोर्ड द्वारा निर्धारित बुनियादी ढाँचे के मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की सुरक्षा से समझौता हो रहा था। इसके बाद इन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

पहाड़ से गिरे मलबे में फंसा इंजन हुआ बेपटरी, यातायात बाधित

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र जिले में रेलवे ट्रैक पर भारी बारिश से पहाड़ का मलबा गिरने से चुनार से चोपन जा रही मालगाड़ी के इंजन के चार पहिये पटरी से उतर गए। रेलवे सूत्रों ने बताया कि सोमवार भोर ब्रम्ह बाबा पुल के पास घाघर नदी के पास रेलवे ट्रैक पर बारिश से पहाड़ का मलबा जमा हो गया। तड़के 3 बजे चुनार से चोपन जा रही मालगाड़ी रेलवे ट्रैक पर टर्निंग होने की वजह से ड्राइवर मलबे को देख नहीं पाया जिससे इंजन के चार पहिए मलबे में फंसकर ट्रैक से नीचे उतर गए और मालगाड़ी वहीं रुक गई। घटना के बाद रेलवे ट्रैक अवरुद्ध हो गया। मालगाड़ी के ड्राइवर व गार्ड ने घटना की जानकारी अधिकारियों को दी। रात होने की वजह से इस रूट पर आने वाली त्रिवेणी एक्सप्रेस को चुनार स्टेशन पर ही रोक दिया गया जबकि जम्मूतवी एक्सप्रेस (अप) को गढ़वा से रूट डायवर्ट किया गया। सूचना के बाद मौके पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी पहुंच गए और रेलवे ट्रैक से मलबा हटवाने और ट्रैक को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरु कर दिया।

इन्दौर के मृगनयनी एम्पोरियम में आयेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ; शो-रूम को किया नवश्रृंगारित -

इन्दौर।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का 18-19 सितम्बर को इन्दौर भ्रमण प्रस्तावित है। इस दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू मृगनयनी मध्यप्रदेश एम्पोरियम इन्दौर में आएंगी। वे यहां प्रदेश के विभिन्न नेशनल अवार्ड एवं पदमश्री सम्मानित शिल्पकारों /आर्टिजन्स से सौजन्य भेंट करेंगी तथा प्रदेश की पारंपरिक, कलात्मक माहेश्वरी, चंदेरी, कोसा आदि साड़ियों का अवलोकन करेंगी। मृगनयनी एम्पोरियम इन्दौर के प्रभारी प्रबंधक राहुल जगताप ने बताया कि राष्ट्रपति जी के आगमन को देखते हुये मृगनयनी एम्पोरियम इन्दौर में आवश्यक तैयारियां की जा रही है। मृगनयनी मध्यप्रदेश एम्पोरियम, लघु उद्योग निगम मर्या. के प्रबंध संचालक डॉ. नवनीत मोहन कोठारी (ह्रस) द्वारा भी शो-रूम में हो रही तैयारियों का निरीक्षण किया गया। राष्ट्रपति जी के आगमन को देखते हुये वृहद स्तर पर तैयारियों के अंतर्गत संपूर्ण एम्पोरियम का रेनोवेशन कार्य, लाईट व्यवस्था, साफ-सफाई आदि का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इस मौके पर मृगनयनी एम्पोरियम में डिजाईनर बटीक एवं बाग प्रिंट में क्रेप, शिफॉन, सिल्क व कॉटन की साड़ियाँ सहित पारम्परिक चंदेरी, महेश्वरी, कोसा साड़ियाँ, ड्रेस मटेरियल्स व आकर्षक बेडशीट की नवीन वैरायटी रखी गई हैं। साथ ही एम्पोरियम में कलात्मक हैण्डीक्राफ्ट का भी वृहद कलेक्शन रखा गया है।

शाह की दो टूक, आंतकवाद को इतना नीचे दफन किया जाएगा.....फिर से कभी लौटकर नहीं आएगा

अब्दुल्ला और गांधी परिवार आंतकवाद के पोषक

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में रैली के दौरान कहा कि हमारी सरकार ने आतंकवाद को उस स्तर तक दफनाने का संकल्प लिया है, जहां से वहां फिर न लौट सके। केंद्रीय मंत्री शाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर अपने परिवार की सरकार' बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाकर कहा कि वे जम्मू कश्मीर में सत्ता में नहीं आ सकते। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 इतिहास बन गया है, वापस नहीं आ सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंकवाद की ओर धकेलना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमने विभाजन के दिन देखें, 1990 में आतंकवाद के दिन देखें। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों... सभी ने कुर्बानियां दीं। उन्होंने कहा कि मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू-कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करने वाले हैं कि कभी बाहर नहीं आ पाएगा। उन्होंने कहा कि 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे है, यहां आतंकवाद को फिर से मजबूत करने के प्रयास है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादें किए हैं कि उनकी सरकार आएगी तब आतंकवादियों को छोड़ा जाएगा। मैं आज आप लोगों को कहता हूं कि ये नरेन्द्र मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं है, भारत की भूमि पर आतंकवाद फैलाए।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का ये चुनाव स्पष्ट रूप से दो ताकतों के बीच है। एक ओर परिवारवादी नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस है और दूसरी ओर भाजपा है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस कहती है कि अगर हमारी सरकार बनी तब धारा-370 को वापस लाएंगे। पहाड़ियों और गुर्जर भाइयों को जो आज आरक्षण मिला है, वहां आरक्षण धारा-370 के रहते नहीं मिल सकता था। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो धारा-370 हटाई, वहां अब इतिहास का पन्ना हो गई है। भारत के संविधान में अब धारा-370 के लिए कोई जगह नहीं रह गई है। जम्मू कश्मीर में अब दो विधान, दो प्रधान और दो झंडे कभी नहीं हो सकते हैं। झंडा सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा होगा।

भाजपा के चाणक्य ने कहा कि एक ओर वे लोग (नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस) आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, दूसरी ओर मोदी जी विकसित कश्मीर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि धारा-370 हटने के बाद यहां की महिलाओं को जो आरक्षण मिला है, इस आरक्षण को नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस समाप्त करना चाहती हैं, वहीं मोदी जी महिलाओं के साथ गुर्जर, पहाड़ी, दलित और ओबीसी को भी आरक्षण का अधिकार देना चाहते हैं।

शाह ने कहा कि एनसी और कांग्रेस का गठबंधन हमेशा से आतंकवाद का पोषक रहा है। जब-जब घाटी में अबदुल्ला और गांधी परिवार की सरकार आई, तब-तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि याद कीजिए 90 के दशक को... मैं फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि आप यहां के मुख्यमंत्री थे, राजीव गांधी के साथ समझौता करके चुन कर आए। जब हमारी घाटी खून से लथपथ हो गई तब आप कहां थे?

जिस गठबंधन ने, नेहरू-गांधी व अब्दुल्ला परिवार ने आतंकवाद फैलाया, वे फिर से आपका आशीर्वाद लेना चाहते हैं।

तीन साल में न्याय........दो साल में पूरे देश में लागू होंगे नए क्रिमिनल कानून

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार के लाए तीन नए क्रिमिनल कानून अगले दो साल में पूरे देश में लागू हो जाएंगे। मोदी सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एक बार जब नए कानूनों के तहत एफआईआर दर्ज होना शुरू होगी, तब सुप्रीम कोर्ट से न्याय तीन साल के अंदर मिलेगा। केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि नए कानून अत्यंत आधुनिक, वैज्ञानिक और तकनीकी रूप से भी सक्षम हैं।

ये नए कानून पीड़ित के अधिकार को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ पहला शहर होगा जहां तीन नए कानून सबसे पहले लागू किए जाएंगे। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को 17 सितंबर को 100 दिन पूरे हो जाएंगे। अधिकारियों द्वारा सूचीबद्ध अन्य योजनाओं में युवाओं के बीच रोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख करोड़ रुपये का पीएम पैकेज और महिलाओं के लिए दीनदयाल अंत्योदया योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन होगा है। इसमें 10 करोड़ महिलाओं को वित्तीय समावेश, डिजिटल साक्षरता, सतत आजीविका और सामाजिक विकास उपायों को बढ़ावा देने में मदद की थी। युवाओं के लिए, सरकार ने शीर्ष संगठनों में 1 करोड़ युवाओं के लिए इंटर्नशिप अवसर और भत्ता घोषित किया है, जिसमें 20 लाख युवाओं को कुशल बनाने और 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को भी बेहतर बनाने का लक्ष्य है। अधिकारियों के अनुसार, केंद्र सरकार ने लाखपति दीदी योजना के तहत 11 लाख नई महिलाओं को प्रमाण पत्र जारी किया था और अब 1 करोड़ से अधिक लाखपति दीदी प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक कमाती हैं।

महिलाओं के लिए क्या है प्लान?

महिलाओं के लिए, मोदी सरकार ने 2,500 करोड़ रुपये का सामुदायिक निवेश कोष जारी किया है, इसमें 4.3 लाख एसएचजी के 48 लाख सदस्य लाभान्वित हुए हैं और आगे 5,000 करोड़ रुपये के बैंक ऋणों को मंजूरी दी है, जिससे 2,35,400 एसएचजी के 25.8 लाख सदस्य लाभान्वित हुए हैं। केंद्र ने रोजगार सृजन के लिए पूंजीगत व्यय भी बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये कर दिया है और स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए वित्तीय और कर प्रोत्साहन प्रदान करेगा। मोदी सरकार ने नए उद्योगों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए ई-श्रम पोर्टल और 12 औद्योगिक नोड्स के विकास को एकीकृत किया है। मुद्रा ऋण के तहत राशि को 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि पिछले सप्ताह लांच किए गए ऑनलाइन संदिग्ध रजिस्ट्री को साइबर और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल 14 लाख साइबर अपराधियों का डेटा मिला है।

एनपीएस वात्सल्य स्कीम 18 सितंबर को लॉन्च होगी

बजट में इस स्कीम का ऐलान हुआ था, माता-पिता बच्चों की ओर से इसमें निवेश कर सकेंगे

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 18 सितंबर को दिल्ली में नेशनल पेंशन स्कीम वात्सल्य लॉन्च करेंगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2024 पेश करते हुए इस स्कीम का ऐलान किया था। एनपीएस वात्सल्य को बच्चों के बड़े होने पर उनकी फाइनेंशियल सिक्योरिटी एन्श्योर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्कीम में माता-पिता बच्चों की ओर से निवेश कर सकते हैं। बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर एनपीएस में बदल जाएगा।

बच्चे के 18 साल के होने पर एनपीएस वात्सल्य को नॉन-एनपीएस स्कीम में भी बदला जा सकता है। रेगुलर एनपीएस स्कीम रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। ज्यादा रिटर्न के लिए एनपीएस कॉन्ट्रीब्यूशन को स्टॉक और बॉन्ड जैसे बाजार से जुड़े इंस्ट्रूमेंट में इन्वेस्ट किया जाता है।

10,000 की एसआईपी में 63 लाख का फंड बनेगा

सभी माता-पिता और गार्जियन, चाहे भारतीय नागरिक हों, एनआरआई या ओसीआई, अपने नाबालिग बच्चों के लिए एनपीएस वात्सल्य अकाउंट खोलन सकते हैं। मान लीजिए कि आपका बच्चा 3 साल का है।

इस स्कीम में अगर आप 10,000 रुपए की एनपीएस करते हैं तो बच्चे के 18 साल का होने पर करीब 63 लाख रुपए का फंड जमा हो सकता है।

केजरीवाल के इस्तीफे के फैसले पर, अन्ना हजारे.....राजनीति से दूर रहे

कांग्रेस का आरोप सारा का सारा सहानुभूति का खेल

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकर्ताओं के बीच यह कहकर सनसनी फैला दी कि वे दो दिन में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके बाद राजनीति और समाज में हलचल मच गई। केजरीवाल ने अपनी पार्टी के नेताओं को संबोधित कर स्पष्ट किया कि वह तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती।

उन्होंने कहा, जब मैं जेल में था,भाजपा ने मुझसे पूछा कि मैंने इस्तीफा क्यों नहीं दिया। अब मैं आपसे पूछता हूं कि आप मुझे ईमानदार मानते हैं या गुनहगार? दो दिन के बाद मैं सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं।

इस फैसले पर समाजसेवी अन्ना हजारे ने केजरीवाल के कदम पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही केजरीवाल को राजनीति में न जाने की सलाह दी थी। हजारे ने कहा, मैंने बार-बार कहा था कि समाज सेवा से बड़ा आदमी बन सकते हैं, राजनीति से नहीं। मैं आनंद में रहता हूं और आज जो हुआ, वह होना था। उनके दिल में क्या है, मैं नहीं जानता।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता उदित राज ने केजरीवाल के इस्तीफे की मंशा पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राज ने कहा, पार्टी इस पर टिप्पणी नहीं करेगी क्योंकि यह उनकी पार्टी का आंतरिक मामला है। मेरा मानना है कि इस कदम के पीछे सहानुभूति प्राप्त करने की रणनीति हो सकती है।

अगर इस्तीफा देना था, तब जेल जाते समय देना चाहिए था। वहीं, भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के दबाव में इस्तीफा देने का फैसला किया है। चांदोलिया ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने शर्तें लगाई हैं, जिससे केजरीवाल के हाथ-पांव बांध दिए गए हैं। वे अब सुनीता को मुख्यमंत्री बनाकर खुद आराम करने वाले है। दिल्ली की जनता केजरीवाल के इस नाटक को समझ चुकी है।

पीएम मोदी ने अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन सेवा का किया शुभारंभ

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेट्रो के दूसरे चरण का उद्घाटन आज 16 सितंबर को किया है. मेट्रो फेज-2 अहमदाबाद के मोटेरा से गांधीनगर सेक्टर-1 तक जुड़ेगा। इतना ही नहीं बल्कि मेट्रो फेज-2 का एक कॉरिडोर गिफ्ट सिटी, गांधीनगर और अहमदाबाद को जोड़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 20.8 किमी लंबे कॉरिडोर और फेज 2 के 8 स्टेशनों का उद्घाटन किया है. आने वाले समय में मेट्रो सचिवालय, अक्षरधाम, पुराना सचिवालय, सेक्टर 16, सेक्टर 24 और महात्मा मंदिर तक जाएगी. मोटेरा से सेक्टर 1 तक 15.4 किमी और इसमें 6 स्टेशन और 5.4 किमी 2 स्टेशन लिंक लाइनें शामिल हैं। अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 मोटेरा और गांधीनगर के बीच जुड़ा हुआ है। चरण 2 अहमदाबाद मेट्रो चरण-1 के उत्तर-दक्षिण मेट्रो कॉरिडोर की निरंतरता है। मुख्य लाइन एपीएमसी से मोटेरा लाइन का विस्तार है और महात्मा मंदिर तक जाती है। शाखा लाइन जीएनएलयू से शुरू होती है और गिफ्ट सिटी पर समाप्त होती है। गौरतलब है कि मेट्रो फेज 2 रेल लाइन की कुल लंबाई 28.2 किमी है। इसमें 22.8 किमी मुख्य लाइन और 5.4 किमी शाखा लाइन शामिल है। मुख्य लाइन में 20 स्टेशन हैं और शाखा लाइन में 2 स्टेशन हैं। मेट्रो फेज-2 प्रोजेक्ट की कुल लागत 5,384 करोड़ रुपये है.

विज का दावा, खट्टर का कड़वा जवाब

हरियाणा भाजपा में कलह शुरू

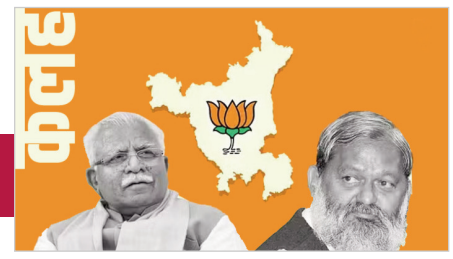

- पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच गहराते जा रहे है मतभेद
- पार्टी हाई कमान के कदम का इंतजार

चंडीगढ़।

हरियाणा की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब राज्य के वरिष्ठ बीजेपी नेता और छह बार विधायक रह चुके अंबाला छावनी के विधायक अनिल विज ने पहली बार खुलेआम मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा ठोक दिया। विज ने कहा, ÷मैंने आज तक अपनी पार्टी से कुछ नहीं मांगा, लेकिन इस बार मैं मुख्यमंत्री बनने का दावा कर रहा हूं। अगर मुझे मौका मिलता है, तो मैं हरियाणा की तकदीर और तस्वीर बदल दूंगा।÷ अनिल विज के इन दावे के बाद से हरियाणा भाजपा में कलह शुरू हो गई है। विज के इस बयान पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सीधा और कड़वा जवाब दिया। खट्टर ने कहा, ÷चाहत जताने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। हर कोई अपनी इच्छा जाहिर कर सकता है, लेकिन बीजेपी का फैसला पहले ही हो चुका है।

अनिल विज ने पार्टी हाई कमान से पहली बार कुछ मांगने की बात कही है, और वो कुछ और नहीं बल्कि राज्य के मुख्यमंत्री पद की मांग है। विज ने कहा कि पूरे हरियाणा की जनता उनके पास आकर मुख्यमंत्री बनने की मांग कर रही है, और इसी वजह से उन्होंने ये दावा किया है। विज ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बनना या ना बनना हाई कमान का फैसला है, लेकिन अगर उन्हें यह मौका दिया जाता है, तो वे हरियाणा की तस्वीर बदल देंगे।

- फैसला हो चुका है

विज के इस दावे पर हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। खट्टर ने कहा, अपनी इच्छाएं जताने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन चुनाव पार्टी द्वारा तय किए गए फैसले के तहत ही लड़ा जाएगा। बीजेपी पहले ही फैसला कर चुकी है, और इस पर कोई विवाद नहीं है।

विज-खट्टर के बीच पहले से विवाद

अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर के बीच की खींचतान कोई नई बात नहीं है। दोनों नेताओं के बीच मतभेद पहले भी कई बार सार्वजनिक रूप से सामने आ चुके हैं।

मनोहर लाल खट्टर को बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व, नरेंद्र मोदी और अमित शाह, के करीबी माना जाता है, जिसकी वजह से पार्टी में उनकी पकड़ मजबूत है। वहीं, अनिल विज को अंबाला छावनी सीट पर बीजेपी का दिग्गज नेता माना जाता है, और वे इस सीट पर लगातार छह बार जीत चुके हैं। इस बार वे सातवीं बार चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। विज का यह बयान इस बात का संकेत देता है कि बीजेपी के भीतर हालात सामान्य नहीं हैं, और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद गहराते जा रहे हैं। अब देखना होगा कि पार्टी हाई कमान इस मामले में क्या कदम उठाता है।

केवल 'मुरली' से नहीं चलेगा काम, 'सुदर्शन' भी जरूरी है-योगी आदित्यनाथ

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि केवल 'मुरली' से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए 'सुदर्शन' भी आवश्यक है। सीएम योगी ने कहा कि हमें मिलकर कार्य करना होगा और इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को त्रिपुरा राज्य में स्थित मां त्रिपुर सुंदरी की कृपा भूमि त्रिपुरा राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में सिद्धेश्वरी मंदिर के उद्घाटन एवं प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ये बातें कही। सीएम योगी ने कहा कि मां सिद्धेश्वरी की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर के उद्घाटन का यह कार्यक्रम हम सबके लिए महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि पूज्य संत शांतिकाली महाराज ने 1994 में आश्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाया था। शांतिकाली महाराज ने उस समय जो संकल्प लिए थे, उसे चितरंजन महाराज बिना रुके और बिना डिगे आगे बढ़ा रहे हैं, इसलिए भारत सरकार भी उनका सम्मान कर रही है। भगवान श्रीकृष्ण के एक हाथ में मुरली और दूसरे हाथ में सुदर्शन है। सुरक्षा के लिए केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, उसके लिए सुदर्शन आवश्यक है और जब सुदर्शन हाथ में होगा तो फिर किसी शांतिकाली महाराज को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने 'विकास और विरासत' के अभियान को सतत आगे बढ़ाया है। श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम का मंदिर निर्माण हो या त्रिपुरा में मां त्रिपुर सुंदरी के मंदिर के सुंदरीकरण एवं पुनरुद्धार का कार्य, सभी उसके साक्षात उदाहरण हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में डबल इंजन की सरकार आई और सुरक्षा का माहौल मिला। दंगाइयों के लिए बुलडोजर भी दिया गया और साथ ही साथ भक्तों के लिए श्री राम मंदिर का निर्माण भी कराया गया। अयोध्या, मथुरा, काशी यह तीन सनातन हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, मान बिंदु हैं। जो भी सामर्थ्यवान होगा, अपनी ताकत का अहसास अपने दुश्मनों को कराएगा, वह हमेशा सुरक्षित रहेगा।

योगी आदित्याथ ने कांग्रेस और पाकिस्तान पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मानवता का कैंसर है, जो पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है। आजादी के समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल अगर मिलकर मुस्लिम लीग की साजिश को विफल कर देते तो यह नासूर अस्तित्व में नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब तक

पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे बैठे लोगों को बोलेरो पिकअप ने रौंदा, पांच की मौत

संभल । उत्तर प्रदेश में संभल जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क के किनारे बैठे लोगों को एक पिकअप वैन ने टक्कर मार दी जिसके कारण पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी और गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में वाहन चालक भी घायल हुआ है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि सुबह करीब छह बजे थाना रजपुरा क्षेत्र में भोपतपुर ग्राम के कुछ लोग सड़क किनारे बैठे थे तभी गवा की तरफ से आ रही पिकअप वैन ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे लीलाधर (60), धारामल (40), ओमपाल (32) और पूरनसिंह (45) की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रजपुरा ले जाया गया जहां से उन्हें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रिफर कर दिया गया। विश्नोई ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए जमुना प्रसाद (60) की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि वाहन चालक को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना में हताहत हुए सभी नौ ग्रामीण एक ही परिवार से हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना में पिकअप वैन का चालक भी घायल हुआ है और उसका इलाज किया जा रहा है। एसपी ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा सांसद तिवारी का केजरीवाल पर तंज.....ऐसा नाटकबाज नहीं देखा

नई दिल्ली । दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे से ऐलान के बाद से भाजपा आप पार्टी पर हमलावर है। भाजपा केजरीवाल के ऐलान को अभियान बता रही है। वहीं, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने केजरीवाल पर बड़ा वार किया है। भाजपा सांसद तिवारी ने कहा कि भारत के इतिहास में आपको कोई भी ऐसा मुख्यमंत्री नहीं मिलेगा जिसे न्यायालय द्वारा उसके पद से हटाया गया हो। उन्होंने कहा कि और संविधान का राज है। संविधान कहता है कि अगर कोई मुख्यमंत्री जेल जाता है, तब उस फौरान इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि पार्टी से कोई और सीएम पद संभाल सके। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल का अहंकार दिल्ली की समस्याओं से भी बड़ा है। उन्होंने दावा किया कि एक ओर से उन्हें मुख्यमंत्री पद से निलंबित कर दिया गया है क्योंकि अदालत ने कुछ प्रतिबंध लगा दिए हैं जैसे कि वह मुख्यमंत्री कार्यालय में नहीं जा सकते और किसी भी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि मैंने सिनेमा का बहुत अभ्यास किया है लेकिन मैंने उनसे बड़ा अभिनेता नहीं देखा।

नवोदय विद्यालय में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन डेट आगे बढ़ी

नई दिल्ली । नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने नवोदय विद्यालय कक्षा 6 में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन डेट आगे बढ़ा दी है। जिन पालकों ने अभी तक जवाहरलाल नेहरू विद्यालय सेलेक्शन टेस्ट 2025 के लिए आवेदन नहीं किया है, वे अब 23 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, क्लास 6 में एडमिशन के लिए जेएनवीएसटी 2025 18 जनवरी और 12 अप्रैल 2025 को दो फेज में होगा। परीक्षा सिंगल शिफ्ट में सुबह 11ः30 बजे से दोपहर 01ः30 बजे तक होगी। एडमिट कार्ड परीक्षा से उचित समय पहले वेबसाइट पर जारी कर दिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

जो छात्र किसी जिले में कक्षा 5वीं में पढ़ रहा है, उस छात्र को उसी जिले में जेएनवी में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अनुमति है। एडमिशन चाहने वाले उम्मीदवार का जन्म 01-05-2013 से पहले और 31-07-2015 के बाद नहीं होना चाहिए। कुछ मामलों में, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को प्राथमिकता दी जा सकती है। बता दें कि स्टूडेंट्स केवल एक बार ही जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी) के लिए उपस्थित हो सकता है। अगर वेरिफिकेशन के दौरान यह पाया जाता है कि छात्र ने पहले भी आवेदन किया है, तब उसकी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया जाएगा। परीक्षा से संबंधित अधिक जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

जमुई के अभिषेक को गूगल ने दिया 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज

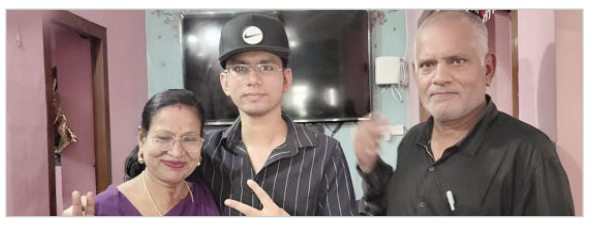

जमुई ।

बिहार के जमुई जिले के झाझा निवासी 24 साल के अभिषेक अब अमेरिकी कंपनी गूगल में जॉब करने वाले है। गूगल ने अभिषेक को 2 करोड़ रुपए सालाना का पैकेज दिया है। वे जॉइनिंग के लिए इसी महीने लंदन जाएंगे। गूगल से 2 साल पहले अभिषेक 1 करोड़ 8 लाख रुपए के पैकेज पर अमेजन कंपनी में थे। इस दौरान वे जर्मनी में रहे। कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने वाले अभिषेक का कहना है कि, गूगल में जॉब करना मेरा सपना था।

बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग का शौक था। अभिषेक की शुरुआती शिक्षा झाझा के प्राइवेट स्कूल में हुई है। उनके माता-पिता ने बताया कि बचपन से ही अभिषेक को कोडिंग के प्रति काफी लगाव था। वहां कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में ही कुछ करना चाहता था। इसके लिए कोटा में रहकर अभिषेक ने तैयारी की और 2018 में एनआईटी पटना में उसका दाखिला हुआ। अभिषेक के पिता सिविल कोर्ट में वकील हैं, और मां ग्रामीण हैं। उनके बड़े भाई अमित कुमार दिल्ली में रहकर सरकारी जॉब की तैयारी कर रहे हैं। वे कहते हैं, जर्मनी जाने के बाद मुझे नए मौकों के बारे में पता चला। अब लंबे वक्त तक गूगल में ही जॉब करने का इरादा है। अभिषेक के मुताबिक, बीटेक पास करने के बाद कई कंपनियों में जॉब के लिए आवेदन किया था, लेकिन अच्छा ऑफर अमेजन से मिला। मुझे अमेजन ने एक करोड़ 8 लाख रुपए पैकेज दिया था। यहां एक साल तक जॉब करने के बाद गूगल में आवेदन किया। 5 राउंड के इंटरव्यू के बाद गूगल से मुझे जॉब ऑफर किया है। अभिषेक ने बताया कि गूगल जैसी बड़ी कंपनी में जॉब लेने का प्रोसेस सबके लिए एक ही सामान होता है। बस हमें करियर पोर्टल पर जाकर अप्लाई करना होता है। अगर हम किसी दूसरे एम्पलाई से मदद लेते हैं, तब और भी आसान हो जाता है। फिर हमारे सीवी के बेसिस पर उसे शॉर्ट लिस्ट किया जाता है और इंटरव्यू कराया जाता है।

राहुल गांधी की जीभ काटकर लाओ.....11 लाख का इनाम पाओ

शिंदे गुट के विधायक का विवादित बयान

मुंबई । शिवसेना(शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के लिए विवादित बयान दिया। आरक्षण के मुद्दे पर शिंदे गुट के विधायक गायकवाड ने राहुल गांधी का जीभ काटने वाले को 11 लाख इनाम देने का ऐलान किया है। शिवसेना विधायक ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में संविधान खतरे में है का ऐसा फेक नरेटिव फैलाकर वोट हासिल किया था। अब खुद राहुल गांधी देश से आरक्षण खत्म करने की वकालत कर रहे हैं। वह पिछड़े, आदिवासियों को दिए जा रहे आरक्षण को 100 प्रतिशत खत्म करना चाहते हैं। सभा में गायकवाड ने कहा कि मैं कहता हूं जो राहुल गांधी की जीभ काटेगा मैं उस शख्स को 11 लाख दूंगा। शिवसेना नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

शिवसेना विधायक ने कहा कि वे राहुल गांधी के लिए यह बयान लोकप्रियता हासिल करने के लिए नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़े और ओबीसी समाज की दुर्दशा को देखकर उन्होंने यह बयान दिया है। उन्होंने दावा किया राहुल गांधी की ओर से आरक्षण खत्म करने की बात से उनके मन में गुस्सा है और इस कारण यह बात जुबान पर आ गई। उन्होंने कहा कि अमेरिका में राहुल गांधी ने कांग्रेस का असली चेहरा उजागर किया है। कांग्रेस ने बयान की आलोचना कर राहुल गांधी के लिए खतरनाक बताया है। बता दें कि दो दिन पहले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी राहुल गांधी पर हमला किया था। उन्होंने बिहार के भागलपुर में राहुल गांधी को बम बनाने वाला और नंबर वन आतंकवादी बताया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी के लिए बीजेपी नेताओं के दिल में नफरत है, इसलिए वह गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

बिहार में गंगा के पानी से बढ़ रहे गॉल ब्लैडर कैंसर के मरीज!

दो सदस्यीय टीम जापान गई, भारत-जापान के वैज्ञानिक करेंगे रिसर्च

पटना,(ईएमएस)।

गंगा के मैदानी इलाकों में आर्सेनिक पानी ने कैंसर का खतरा बढ़ा दिया है। पटना समेत प्रदेश के 20 ऐसे जिले हैं, जहां गॉल ब्लैडर कैंसर मौत का कारण बन रहा है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में तेजी से बढ़ती इस बीमारी को लेकर महावीर कैंसर संस्थान एंड रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिक जापान के साथ मिलकर रिसर्च करेंगे। मकसद है बिहार को इस गंभीर बीमारी से बचाना। रिसर्चर डॉ. अशोक कुमार घोष और डॉ. अरुण कुमार जापान गए हैं। बता दें कि साल 2023 में महावीर कैंसर संस्थान ने ही अपने रिसर्च में गंगा के मैदानी इलाकों के 20 जिलों में आर्सेनिक पानी से गॉल ब्लैडर के कैंसर का पता लगाया था। शोध में पहली बार खुलासा हुआ है कि बिहार में गंगा के मैदानी इलाकों के 20 जिलों में आर्सेनिक पानी पीने से गॉल ब्लैडर में कैंसर के मरीज बढ़ रहे हैं। रिसर्च के लिए 152 पित्ताशय की थैली के रोगियों ने स्वेच्छा से भाग लिया था। उनके पित्ताशय की थैली के ऊतकों में औसत स्तर के साथ आर्सेनिक की भारी मात्रा 340.6 माइक्रोग्राम प्रति किलोग्राम, पित्त पथरी के औसत स्तर 78.41 ग्राम प्रति किग्रा, उनके पित्त के औसत स्तर 59.10 ग्राम प्रति किग्रा, उनके रक्त में औसत स्तर 52.28 ग्राम प्रति किग्रा और उनके बालों के नमूनों में औसत स्तर 649.7 माइक्रोग्राम प्रति किलोग्राम थी।

पिछले दस वर्षों में बिहार के गंगा के मैदानी इलाकों में कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में खतरा 10 फीसदी ज्यादा है। महावीर कैंसर संस्थान के वैज्ञानिकों का मानना है कि बिहार के गंगा के मैदानी इलाके में कैंसर मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ गई है जो देश के लिए खासकर बिहार के लिए चिंता का विषय है। महावीर कैंसर संस्थान और जापान की संस्था ने इस पर संयुक्त रूप से काम शुरू कर दिया है।

कांग्रेस की सोच.....मुस्लिमों को खुश रखकर हमेशा सत्ता में रहेंगे

मंगलुरु की घटना पर भाजपा का आरोप

मंगलुरु ।

कर्नाटक के मंगलुरु में दो पूजा स्थलों पर पथराव की घटना सामने आने के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। गौरतलब है कि रविवार देर रात मंगलुरु के कटिपल्ला शहर में पथराव हुआ था, लेकिन त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति नियंत्रण में आ गई और क्षेत्र में किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पुलिस ने बताया कि पूजा स्थल की खिड़कियों के शीशे टूट गए है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर मंगलुरु में विरोध प्रदर्शन किया है। भारी पुलिस कर्मी तैनात किए गए है। कर्नाटक के मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि मंगलुरु हमेशा से एक हॉट स्पॉट रहा है। मंगलुरु में सांप्रदायिक मुद्दों के आधार पर राजनीति होती है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। क्योंकि हर छोटे मुद्दे पर आप देखते हैं कि आरएसएस से जुड़े किसी व्यक्ति ने या किसी और ने क्या ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि हम हर किसी को नियंत्रित नहीं कर सकते। हर धर्म में कुछ कुकर्मी लोग होते है। इसतरह के शरारती तत्व ही ये सब मुद्दे पैदा कर रहे हैं। वहीं भाजपा के डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में फेल साबित हुई है। वे समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटना चाहते हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निर्दोष लोग प्रभावित न हों और असली दोषियों पर मामला दर्ज किया जाए। हम समाज के हर वर्ग से बात करने को तैयार है। बीजेपी नेता नारायण गौड़ा ने कहा कि यह एक खुफिया विफलता थी। पुलिस से कहा गया कि वे कार्रवाई न करें और चीजों को होने दें। कांग्रेस सरकार सोचती है कि अगर वे मुस्लिम समुदाय को खुश रहे तब सत्ता में बन रहेंगे।

आज भुवनेश्वर आएंगे पीएम मोदी, सुभद्रा योजना का करेंगे शुभारंभ

-कड़ी रहेगी सुरक्षा व्यवस्था, स्कूल और कॉलेज रहेंगे बंद

भुवनेश्वर।

ओडिशा सरकार ने पीएम नरेंद्र मोदी की यात्रा के मद्देनजर भुवनेश्वर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में 17 सितंबर मंगलवार को अवकाश घोषित कर दिया है। इस संबंध में सीएमओ ने आदेश जारी कर दिए हैं। पीएम मोदी इस यात्रा के दौरान भुवनेश्वर में सुभद्रा योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए भुवनेश्वर में एक बड़ी बैठक भी होगी। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवथा रहेगी। चंद्रबाबू नायडू सरकार ने फैसला किया है कि मंगलवार को भुवनेश्वर के सभी स्कूल और कॉलेज पूरी तरह से बंद रहेंगे और सरकारी कार्यालय दिन के पहले भाग के लिए बंद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक सुभद्रा योजना सबसे बड़ी, एकल महिला केंद्रित योजना है। इस योजना का उद्देश्य एक करोड़ से ज्यादा महिलाओं को कवर करना है। योजना के तहत, 21 से 60 साल की उम्र के सभी पात्र लाभार्थियों को 2024-25 से 2028-29 के बीच पांच सालों के लिए 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इस योजना के तहत, हर साल 10 हजार रुपए की राशि दो समान किस्तों में सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा की जाएगी। इस ऐतिहासिक मौके पर पीएम मोदी दस लाख से ज्यादा महिलाओं के बैंक खातों में फंड ट्रांसफर करेंगे। इसके अलावा पीएम करीब 14 राज्यों के पीएमएवाई-जी के तहत करीब 13 लाख लाभार्थियों को सहायता की पहली किस्त जारी करेंगे। कार्यक्रम के दौरान देश भर से पीएमएवाई योजना (ग्रामीण और शहरी) के 26 लाख लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी पीएमएवाई लाभार्थियों को उनके घर की चाबियां भी देंगे। वह पीएमएवाई-यू 2.0 के लिए परिचालन दिशानिर्देश, आवास+2022 ऐप भी लॉन्च करेंगे।

सीएम ममता का प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को अंतिम निमंत्रण

कोलकाता।

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए जघन्य हत्याकांत के बाद पूरे देश में बवाल मच गया इसको लेकर अभी भी विरोध प्रदर्शन जारी है। डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को फिर से अपने आवास पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। सीएम ममता ने कहा कि यह पांचवां और अंतिम निमंत्रण है। बंगाल के मुख्य सचिव ने डॉक्टरों से खुले दिमाग के साथ बातचीत के लिए सीएम ममता से उनके कालीघाट आवास पर मिलने का आग्रह किया है। इससे पहले, डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य सरकार द्वारा तय सभी शर्तों को स्वीकार कर लिया था, लेकिन अंतिम समय में सरकार ने उन्हें ठुकरा दिया। इस बीच, सीबीआई अधिकारियों ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने जो जवाब दिए वह पॉलीग्राफ टेस्ट और स्तरित आवाज विश्लेषण के दौरान भ्रामक पाए गए। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। वहीं, प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों का राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुख्यालय स्वास्थ्य भवन के बाहर आठवें दिन भी धरना जारी था और लगातार 36वें दिन उन्होंने काम बंद रखा। बता दें सीएम ममता बनर्जी शनिवार को धरनास्थल पर अचानक पहुंची और उन्हें उनकी मांगों पर गौर करने और दोषी पाए जाने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन गतिरोध को दूर करने के लिए प्रस्तावित बातचीत विफल होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि सीएम आवास पर तीन घंटे तक इंतजार करने के बाद उन्हें कार्यक्रम स्थल से चले जाने को कहा गया।

एक डॉक्टर ने दावा किया कि वे सीधा प्रसारण या वीडियो रिकार्डिंग के बिना ही बैठक में शामिल होने पर राजी थे जैसा कि सीएम ममता ने अनुरोध किया था और स्वास्थ्य राज्यमंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को इस फैसले की सूचना भी दे दी गई थी लेकिन प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए सीएम हाउस से जाने के लिए कहा गया कि अब काफी देर हो गई है।

बैठकों के सीधा प्रसारण और उपस्थित प्रतिनिधियों की संख्या पर असहमति के कारण जूनियर डॉक्टरों और ममता के बीच बातचीत के पिछले कुछ प्रयास भी नाकाम रहे हैं। अब फिर सीएम ने डॉक्टर्स को बातचीत के लिए बुलाया है देखने है कि डॉक्टर अब क्या फैसला लेते हैं।

370 को खत्म कर पीएम मोदी ने गुर्जर, बकरवाल, दलितों को उनका अधिकार दिलायाः शाह

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए अपनी चुनावी रैलियों की शुरुआत से पहले अनुच्छेद 370 को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा, पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू के पिछड़ों, गुर्जर, बकरवाल, दलितों और पहाड़ियों को उनके अधिकार दिलाने का महत्वपूर्ण काम किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, आईआईटी, एम्स और आईआईएम जैसे संस्थानों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना हो या रेल और सड़क तंत्र को विश्वस्तरीय बनाना हो, मोदी सरकार जम्मू वासियों की हर आकांक्षा की पूर्ति कर रही है।

भाजपा के चाणक्य शाह की जम्मू-कश्मीर में सोमवार को तीन चुनावी रैलियां निर्धारित हैं, जिसमें पैडर नागसेनी, किश्तवाड़ और रामबन शामिल हैं। शाह इन रैलियों के माध्यम से भाजपा के लिए समर्थन जुटाने का प्रयास करने वाले है। भाजपा प्रवक्ता और मीडिया सेंटर प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि गृह मंत्री शाह 16 सितंबर को इन तीन स्थानों पर रैलियों को संबोधित करने वाले है। इससे पहले, शाह ने 6 और 7 सितंबर को भाजपा का घोषणापत्र जारी किया था, इसमें उनकी पार्टी की नीतियों और योजनाओं की जानकारी दी गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के प्रचार में शामिल होने वाले है। पीएम मोदी 25 सितंबर को दूसरे चरण और 1 अक्टूबर को तीसरे चरण के मतदान से पहले चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले है। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 20 सितंबर को जम्मू में प्रचार करने वाले है।

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में अनुच्छेद 370 और आतंकवाद जैसे मुद्दे प्रमुख चर्चा का विषय बने हुए हैं।

पहली बार सेना मुख्यालय पहुंचे यूनुस, जनरल ने किया स्वागत

ढाका। बांग्लादेश अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने पहली बार सेना मुख्यालय का दौरा किया जहां उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। सेना मुख्यालय पहुंचने पर सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने यूनुस का स्वागत किया। यूनुस द्वारा दिए गए निर्देश सामूहिक रूप से भविष्य की कार्य योजना के निर्माण और इन्हें लागू करने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने में बहुत मददगार होंगे। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, गृह सलाहकार रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल जहांगीर आलम चौधरी, रक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के मामलों के यूनुस के विशेष सहायक रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल अब्दुल हाफिज, कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख और कई कानून प्रवर्तन और बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी वहां मौजूद थे।

ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति बाइडेन ने की कड़ी निंदा

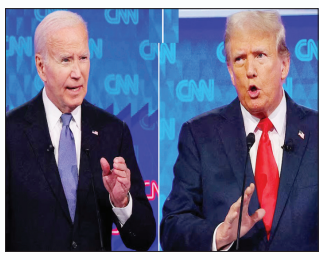

वाशिंगटन(ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा है कि हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को गोलीबारी की घटना के दौरान सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए सुरक्षा में तैनात अधिकारियों की प्रशंसा की। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि रविवार को रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या का प्रयास किया गया था। बाइडेन ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के गोल्फ क्लब में गोलीबारी के बारे में जानकारी दिए जाने के बाद कहा, जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, और मैंने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है कि सीक्रेट सर्विस के पास पूर्व राष्ट्रपति की निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन, क्षमता और सुरक्षात्मक उपाय हैं।

अब्राहम समझौते के चार साल पूरे... क्या आगे भी रहेगा कायम

तेल अवीव। 15 सितंबर को अब्राहम समझौते के चार साल पूरे हो गए हैं। चार साल पहले, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप ने समझौते को इतिहास की दिशा बदलने और एक नए मध्य पूर्व की सुबह के रूप में पेश किया था। इस समझौते के साथ बहरीन और यूएई ने इजरायल के साथ अपने रिश्तों को सामान्य किया, और बाद में मोरक्को भी इस समझौते में शामिल हुआ। हालांकि, समझौते के चार साल पूरे होने के बाद, इजरायल गाजा में हमास के साथ एक गंभीर संघर्ष में उलझा हुआ है। ईरान और उसके प्रॉक्सी भी इजरायल के खिलाफ लगातार हमलावर बने हुए हैं। इस संघर्ष ने अब्राहम समझौते पर दबाव डाला है, लेकिन फिर भी वर्तमान में बहरीन, यूएई, और मोरक्को के साथ इजरायल के रिश्ते बरकरार हैं। मध्य पूर्व के जानकार बताते है कि गाजा संघर्ष ने इन देशों के साथ इजरायल के रिश्तों पर तनाव पैदा किया है, लेकिन इसके बावजूद एक उम्मीद की किरण दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के वरिष्ठ अधिकारियों ने युद्ध के दौरान केवल राष्ट्रपति इसाक हेर्जोग और वित्त मंत्री नील बरकत ने ही अरब देशों की यात्रा की है, जो द्विपक्षीय यात्रा नहीं थी। यूएई के सलाहकार अनवर गरगश ने हाल ही में इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यूएई ने एक रणनीतिक फैसला लिया है और यह दीर्घकालिक है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक फैसलों के मार्ग में बहुत सारी बाधाएं आती हैं, और हम इस समय गाजा युद्ध जैसी एक बड़ी बाधा का सामना कर रहे हैं, लेकिन हम इस पार करने वाले है। इसके बावजूद, अब्राहम समझौते के प्रभावी रहने की उम्मीद बनी हुई है। सभी पक्ष शांति और सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं, और इस संघर्ष के बावजूद मध्य पूर्व में स्थिरता की दिशा में काम जारी है।

हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे- सेग्रिड

तेलअवीव। गाजा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक वरिष्ठ अधिकारी सेग्रिड काग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस क्षेत्र में बेगुनाह लोगों को निराश किया है। सेग्रिड काग गाजा में मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण काम की देखरेख कर रही हैं। वह इस क्षेत्र में नौ महीने पहले नियुक्त की गई थीं। उनको मानवीय मदद पहुंचाने की ज़िम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र को जो रिपोर्ट सौंपने वाली हैं वह काफ़ी निराश करने वाली है। सेग्रिड काग ने गाजा की मौजूदा स्थितियों को आपदा बताया है। उन्होंने कहा कि हम गाजा के लोगों की बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनके मन में बेहतरी की उम्मीद और संभावनाएं पैदा करना बहुत दूर की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा काम करने के लिहाज से दुनिया की सबसे असुरक्षित जगहों में से एक है। सेग्रिड के मुताबिक़ हमास-इजराइल के बीच युद्धविराम होने तक इस स्थिति में कोई भी सुधार आना बहुत मुश्किल है।

चीन में आया बेबिनका तूफान, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

बीजिंग। भारी बारिश के बाद की मार झेल चुके चीन में बेबिनका तूफ़ान ने दस्तक दे दी है। यह तूफ़ान सोमवार को शंघाई के तटीय इलाके से टकराया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पिछले 75 सालों में शंघाई से टकराने वाला सबसे भीषण तूफ़ान है। इस तूफ़ान से लोगों को बचाने शंघाई में हज़ारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चीन के मौसम विभाग ने बताया कि बेबिनका तूफ़ान सोमवार सुबह स्थानीय समयनुसार के मुताबिक करीब साढ़े सात बजे शंघाई के तटीय इलाके लिनगैंग से टकराया। सावधानी बरते हुए रविवार की शाम को ही करीब चार लाख से ज़्यादा लोगों को महानगर इलाके से बाहर निकाल लिया गया था। इसके अलावा चोनगामिंग ज़िले से भी नौ हज़ार लोगों सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। चोनगामिंग यांग्से नदी के किनारे पर स्थित द्वीप है जो शंघाई का ही एक हिस्सा है। इस तूफ़ान की वजह से चीन में सैकड़ों हवाई उड़ानों को भी रद्द कर दिया गया है। तूफ़ान के खतरे को देखते हुए कई हाईवे भी बंद कर दिए गए हैं।

म्यांमार में बाढ़ से अब तक 113 लोगों की मौत, 64 लापता

यांगून। म्यांमार में व्यापक बाढ़ के कारण 113 लोगों की मौत हुई और 64 लापता हैं। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ ने ने-पी-ता, काया राज्य, कायिन राज्य, बागो, मैगवे, मांडले इलाकों सहित मोन और शान राज्य तथा अयेयारवाडी क्षेत्र को प्रभावित किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 सितंबर की शाम तक 72,900 से अधिक घर और 78,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, जिससे देश भर में 320,000 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय गृह में पनाह लेनी पड़ी।

लास एंजिल्स में एमी अवार्ड समारोह में ड्रामा सीरीज शोगुन के लिए अन्ना सवाई को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड मिला।

मस्क ने उठाया सवाल बोले- बाइडेन और कमला पर क्यों नहीं होते हमले

पेरिस। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश के बाद अमेरिकी खुफिया विभाग एफबीआई मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने कंफर्म किया है कि ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया है लेकिन, मकसद अभी अस्पष्ट है। आरोपी गिरफ्तार हो चुका है। उसका पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। रिपोर्ट है कि आरोपी यूक्रेन समर्थक है और डेमोक्रेटिक पार्टी को सपोर्ट करता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच टेक अरबपति एलन मस्क ने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से सनसनी मचा दी है। उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ ट्रंप पर ही जानलेवा हमले क्यों हो रहे हैं? जो बाइडेन या कमला हैरिस पर हत्या का प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है?

टेक अरबपति एलन मस्क ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक एक्स यूजर ने मस्क की पोस्ट पर रिप्लाई किया था कि वे डोनाल्ड ट्रम्प को क्यों मारना चाहते हैं? इसका जवाब देते हुए, टेस्ला के सीईओ ने कहा, और कोई भी बाइडेन या कमला हैरिस की हत्या करने की कोशिश नहीं कर रहा है। इस साल जुलाई में मस्क ने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

नौ हफ्ते में दूसरी बार ट्रंप पर हुआ जानलेवा हमला, 300 मीटर दूरी से चली दनादन गोलियां

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फ्लोरिडा स्थित घर में गोल्फ खेल रहे थे, तभी लगभग 300 मीटर की दूरी पर कोर्स के किनारे झाड़ियों के बीच से किसी ने गोली चलाई। हमलावर ने जैसे ही गोली चलाई सुरक्षाकर्मियों ने भी जवाबी हमला कर बंदूकधारी को गिरफ्तार कर लिया। नौ हफ्ते के भीतर ट्रंप पर ये दूसरा हमला है। एफबीआई ने इसे हत्या का प्रयास बताया है। सीक्रेट सर्विस एजेंट ने हमलावर द्वारा हमला करने के बाद ही उस पर जवाबी कार्रवाई की और उसके बाद वो राइफल छोड़कर एक कार से भागने की कोशिश कर रहा था तभी उसका पीछा कर उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी के पास एक बन्दूक, दो बैकपैक, एक गोप्रो कैमरा बरामद हुआ है। मार्टिन काउंटी के शेरिफ विलियम स्नाइडर ने बताया कि पकड़े जाने के बाद, आरोपी शांत था और कुछ बोला नहीं। स्नाइडर ने कहा कि मामले में अभी जांच चलेगी।

फिलहाल ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये गोलीबारी ट्रंप को ही निशाना बनाकर की गई थी या कोई और कारण था। हालांकि, एफबीआई ने कहा कि प्रथम दृष्टया ये ट्रंप की ही हत्या का प्रयास लग रहा है। बता दें कि 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप को गोली मार दी गई थी। हालांकि, गनीमत रही कि गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई। खबरों के मुताबिक हिरासत में लिए गए आरोपी की पहचान रयान रोथ के रूप में हुई है। एफबीआई हत्या के प्रयास की जांच कर रही है। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है और वो 2002 में हथियार रखने का दोषी ठहराया गया था। आरोपी रयान रोथ ट्रंप का आलोचक है और डेमोक्रेट का समर्थन करता है। हमले के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी बयान आया। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की कि वो किसी भी अफवाह पर भरोसा ना करें और ये जान लें कि वो पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भी हो जाए मैं सरेंडर करने वाला नहीं हूं। घटना के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति हमला हैरिस को जानकारी दी गई। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन को यह जानकर खुशी है कि ट्रंप सुरक्षित हैं। डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति पद की प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस ने कहा कि अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे बांग्लादेश को अमेरिका देगा 20 करोड़ डॉलर

ढाका(एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां के आर्थिक हालात बिगड़े हुए हैं। उन्हें सुधाने के लिए अमेरिका ने अब बांग्लादेश के लिए खजाने का दरवाजा खोल दिया है। अमेरिका बांग्लादेश को विकास संबंधी परियोजनाओं, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र को मजबूत करने, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने और देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका करीब 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मुहैया करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के वित्त मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक संबंध प्रभाग के अतिरिक्त सचिव एकेएम शहाबुद्दीन और यूएसएआईडी के मिशन निदेशक रीड जे. एस्क्लिमन ने अपने-अपने देश की सरकारों की ओर से ढाका में डीओएजी के छठे संशोधन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत यूएसएआईडी सुशासन, सामाजिक, मानवीय और आर्थिक क्षेत्रों में अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश को 20.22 करोड़ अमेरिकी डॉलर देगा। यूएसएआईडी-बांग्लादेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यूएसएआईडी ने विकास संबंधी कार्यों, युवाओं को सशक्त बनाने, लोकतंत्र और शासन को मजबूत करने, स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार और पूरे देश में लोगों के लिए व्यापार एवं आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने एक उच्च-स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर बांग्लादेश के पुनर्निर्माण, महत्वपूर्ण सुधारों को पूरा करने के संबंध में अमेरिका से सहयोग का आग्रह किया था।

चीन के एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान से उड़ान भरेंगे लड़ाकू विमान

-जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का किया जा रहा परीक्षण

बीजिंग (एजेंसी)। चीन अपने एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर तैनात करने के लिए जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का परीक्षण कर रहा है। फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट सिस्टम से लैस है, जो भारी से भारी विमानों को भी आसानी से टेकऑफ करा सकता है। इसे अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बराबर माना जाता है। हालांकि यह भी समुद्री परीक्षण के दौर से गुजर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नेवी के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग पर एक नए प्रकार के युद्धक विमान का परीक्षण किया था। नया विमान लंबे समय से प्रतीक्षित जे-35 हो सकता है। इसे एफसी-31 के नाम से भी जाना जाता है। यह चीन का नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर बेस्ड फाइटर जेट भी है। पाकिस्तान इसी विमान का एक अलग वेरिएंट खरीदने की योजना बना रहा है। हालांकि, चीन ने पाकिस्तान को एफसी-31 बेचने को लेकर अभी मंजूरी नहीं दी है। चीन के पास वर्तमान में दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, लिओनिंग, जो सोवियत युग के जहाज का एक नया रूप है और दूसरा-शेडोंग, जो 2019 में कमीशन किया गया दूसरा स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है।

चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान दोनों एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़ा है। फुजियान की विस्थापन क्षमता 80 हजार टन है। वर्तमान में इस एयरक्राफ्ट कैरियर का समुद्री परीक्षण चल रहा है। यह पूरी तरह से घरेलू रूप से विकसित और निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है जिसमें अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड के समान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम लगे है। वहीं, चीन के बाकी के दो एयरक्राफ्ट कैरियर स्की जंप टेक ऑफ रैंप से लैस हैं। सिर्फ फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर में ही फ्लैट-टॉप फ्लाइट डेक है।

चीन अभी तक एयरक्राफ्ट कैरियरों से जे-15 विमान संचालित करता है। विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि चीन के पास अब सेवा के लिए तैयार एक नए प्रकार का एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट होने वाला विमान है। रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की कि नया लड़ाकू विमान न केवल चीन के तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर ऑपरेशनल है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट से सुसज्जित है, बल्कि पिछले दो कैरियरों लियाओनिंग और शेडोंग से भी उड़ान भर रहा है।

संविधान में संशोधन करने जा रहा उत्तर कोरिया, पडोसी देशों से बढ़ सकता है टकराव!

सोल(एजेंसी)। अपनी सनक के लिए जग जाहिर उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। आए दिन दोनों देशों के बीच टकराव की खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी कि वो संविधान में संशोधन करेगा। इसके बाद संविधान संशोधन पर काम शुरु किया गया।किम के आदेशानुसार एकीकरण संबंधी धाराएं हटा दी गईं तथा समुद्री सीमा सहित देश की क्षेत्रीय सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित किया गया। इससे दक्षिण कोरिया से टकराव बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया अपनी अगली एस।पी।ए। बैठक में 1991 में हस्ताक्षरित अंतर-कोरियाई बुनियादी समझौते को रद्द कर सकता है। बता दें कि 1991 के समझौते के तहत अंतर-कोरियाई संबंधों को एक विशेष संबंध के रूप में परिभाषित किया गया था। केसीएनए ने कहा कि देश के समाजवादी संविधान में संशोधन और उसे त्रुटि मुक्त (पूरक) करने के साथ ही उत्तर कोरिया हल्के उद्योग और बाह्य आर्थिक मामलों पर कानूनों पर विचार-विमर्श और उन्हें अपनाने तथा गुणवत्ता नियंत्रण कानून के प्रवर्तन की निगरानी के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा।

उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को राज्य मीडिया ने दी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में एसपीए की बैठक में उत्तर कोरिया के नेता ने संविधान में संशोधन कर दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख शत्रु बताया था। वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।गौरतलब है कि एसपीए उत्तर कोरिया के संविधान के तहत राज्य सत्ता का सर्वोच्च अंग है, लेकिन वास्तव में यह सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के निर्णयों पर केवल मुहर लगाता है। इस बीच, उत्तर कोरिया द्वारा नए एसपीए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए शीघ्र ही चुनाव कराने की संभावना है, क्योंकि उसने अगले महीने संसदीय बैठक बुलाने की घोषणा की है।

पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी: प्रो. शाहिदुज्जमां

-बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की डगर पर?

ढाका (एजेंसी)। ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कुछ ऐसा बयान दिया है, जो भारत विरोधी है। बयान सुनकर ऐसा लगता है कि बांग्लादेश भारत से दुश्मनी और पाकिस्तान से दोस्ती की तरफ आगे बढ़ रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने एक सेमिनार के दौरा बांग्लादेश के लिए न्यूक्लियर हथियारों की बात की और भारत को एक बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी होगी। पाकिस्तान, बांग्लादेश का सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद सुरक्षा सहयोगी है। यह वही बात है, जिस पर भारतीय हमें विश्वास नहीं कराना चाहते।उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तकनीकी सहायता के बिना भारत को रोका नहीं जा सकता। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने कहा, पाकिस्तान हमेशा से बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार रहा है, बांग्लादेश को पाकिस्तान की तरफ झुकना चाहिए। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने आगे कहा, पाकिस्तानियों का दिल ईर्ष्यालु है। वे नहीं चाहते कि हम माफी मांगें लेकिन वे यह भी नहीं चाहते कि हम भारत के साथ रहें। वे हमें भारत से बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने पाकिस्तान से परमाणु मिसाइलें हासिल करने और उन्हें भारत की सीमा पर तैनात करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि उत्तरी बंगाल और चटगांव पहाड़ी इलाकों में पाकिस्तान की गौरी शॉर्ट-रेंज मिसाइलों को तैनात करने से भारत पर निवारक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत, बांग्लादेश के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके उसे पूर्वोत्तर राज्यों का हिस्सा बनाना चाहता है और इसे रोकने के लिए परमाणु संधि और पाकिस्तानी मिसाइलों को हासिल करने के मामले में मदद की जरूरत है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया डॉ मोहम्मद यूनुस ने पिछले दिनों अपने पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की बात कही थी। उन्होंने कहा था बांग्लादेश, भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे रिश्ते रखना चाहता है। यह 'निष्पक्षता और समानता' के आधार पर होना चाहिए। यूनुस ने अपने संबोधन में बताया कि अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में शपथ लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित कई अन्य देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, हम भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन ये संबंध निष्पक्षता और समानता के आधार पर होने चाहिए।

जम्मू के प्रति आश्वस्त नहीं रह सकती भाजपा

सवाल यह है कि ऐसी नौबत बनी क्यों। क्या भाजपा ने जम्मू को कभी शिकायत न करने वाले परिजन की भांति हल्के में लिया, खासतौर पर जब जम्मू ने हमेशा उसे जितवाकर साथ निभाया? दोनों ही पक्षों को मालूम है कि यही बिंदु वैचारिक लड़ाई का मर्म है, आग की वह तपिश, जिसने दशकों से हिंदुत्व के हृदय को मथा है।भारतीय जनसंघ के विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु जून 1953 में लखनपुर में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से हुई, जब वे जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला की बेहद शक्तिशाली और करिश्माई जोड़ी द्वारा अनुच्छेद 370 को लागू किए जाने का विरोध करने के लिए जम्मू में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे।

द ग्रेट गेम/ ज्योति मल्होत्रा

जम्मू से कठुआ तक के राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा के चुनावी होर्डिंग्स लगे हुए हैं, जिनपर लिखे एक पंक्ति वाले नारे का मकसद है मतदाता के मानस में 2014 से पहले और बाद वाली स्थिति की तुलना दिखाते हुए अपनी बात सरल तरीके से बैठाना। साल 2014 में इस पूर्व राज्य ने आखिरी बार मतदान किया था और वर्तमान में कुछ ही दिनों बाद केंद्र शासित प्रदेश के रूप में यहां पूरे एक दशक बाद चुनाव होने जा रहे हैं। इन होर्डिंग्स पर मौजूद तस्वीरों में,एक तरफ है गहरा धुंआ, नारे लगाने वालों के लहराते हाथ और जलती कारें तो इसके विपरीत दूसरे हिस्से में हैं चमकदार छवियां, जो उम्मीद और समृद्धि का प्रतीक हैं। भाजपा के विज्ञापन अभियानों की विशिष्टता के अनुरूप, इनमें भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा पूरे फ्रेम में केंद्रीय है। शब्दों के रूप में लिखा है: मातम-स्वागतम, डर-निडर, अशांति-शांति। और एक नारा है : 'शांति, स्थिरता और विकासज जम्मू को मोदी पर विश्वास'।

लेकिन, यक्ष प्रश्न है कि क्या जम्मू का मतदाता मोदी के साथ-साथ भाजपा के स्थानीय उम्मीदवारों पर भी विश्वास करेगा, जो पीर पंजाल के दक्षिण में फैली इस विशाल और दुरूह भौगोलिकता के 43 निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी ताल ठोक रहे हैं - हालांकि वर्तमान विधानसभा चुनाव पहली बार बदले हुए, पुनर्गठित परिदृश्य में लड़े जा रहे हैं, क्योंकि निर्वाचन क्षेत्रों के हालिया परिसीमन के बाद इस क्षेत्र में छह सीटें और जुड़ गई हैं। इसके अलावा नई विधानसभा में पांच विधायक मनोनीत होंगे -इस प्रकार विधानसभा में पूर्व में 87 की तुलना में कुल 95 विधायक होंगे। ऐसे चुनाव में, जहां हर सीट मायने रखती है, जीत और हार के बीच जम्मू संभाग संतुलन बना सकता है।

दुनिया के इस हिस्से में, जहां पाकिस्तान के साथ लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पत्थर फेंकने जितनी दूरी पर है, सभी राजनीतिक दल लोगों का प्यार जीतने की खातिर चाणक्य के दिए प्राचीन सूत्र अर्थात साम-दाम-दंड-भेद पर अमल करने में निश्चित रूप से जुटे हुए हैं। भाजपा के लिए, जिसने 2014 के चुनाव में कुल 25 सीटें जीती थीं, सभी जम्मू संभाग से- लेकिन कश्मीर घाटी से एक भी नहीं थी- उसके लिए यह दांव स्पष्टत: बहुत बड़ा है।

राह चलते मतदाता से बात करें तो भ्रम की स्थिति है। 'हमें क्या मिला' वाली टीस अगर भाजपा समर्थक जम्मू के दिल में इसी प्रकार बनी रही, जबकि 1 अक्तूबर को मतदान होना है,तो यह रोष किला ढहने का कारक बन सकता है। मतदाता रोज-ब-रोज भयानक यातायात के दु:स्वप्न से गुजर रहा है (भले ही नितिन गडकरी का मंत्रालय नए-नए पुल और फ्लाईओवर क्यों न बना रहा हो), जबकि 'स्मार्ट सिटी' बनाने के सपनों के बावजूद खुले नालों को ढकने और कूड़े के ढेरों को साफ करने के वादे पूरे नहीं हुए। पेंशन मिलने में देरी हो रही है और सरकारी योजना के लाभार्थियों को मानव-रहित ऑनलाइन प्रणाली की प्रक्रियाओं से पार पाने में मुश्किल हो रही है, तिस पर लिंक बीच-बीच में लगातार टूटता रहता है- और फिर आपको अपना काम निकलवाने को उन्हीं पुराने लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है।

इसके अलावा, जब शेष भारत से लोग गर्मियों में सीधे कश्मीर घाटी के ट्यूलिप गार्डन, डल झील की सैर तो सर्दियों में गुलमर्ग-पहलगाम का रुख करते हों, जिससे कि इंस्टाग्राम इत्यादि पर डालने को नवीनतम मसाला भी मिल सके। ऐसे में, जम्मू घूमने वाले कम ही बचते हैं- यहां तक कि पर्यटकों से भरी 25 में से 15 रेलगाड़ियों के यात्री वैष्णो देवी तीर्थ के लिए सीधे कटरा स्टेशन तक जाने वाली ट्रेन पकड़ते हैं। लिहाजा व्यापार ठंडा है। बाहरी लोगों के मन में बैठे डर- वास्तविक और अवास्तविक- दोनों कायम हैं, शायद इसीलिए यहां निवेश करने में इच्छुक कुछ कॉरपोरेट कंपनियां बड़ी रकम लगाने में अभी भी हिचकिचा रही हैं। हालांकि 2015 से 2018 तक चली भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार ने दो नए एम्स अस्पताल, एक आईआईएम और एक आईआईटी बनाने का वादा किया था। इसमें से कुछ भी नया नहीं है। जम्मू वालों ने जो आज पाया है वह यूपी और बिहार वालों को हमेशा से मिलता आया है- राजनेताओं के खोखले वादे, जो बाद में हवा-हवाई हो जाते हैं। लेकिन निश्चित रूप से जम्मू को अपने लिए गरीब और दूर के चचेरे भाई सरीखा बर्ताव पसंद नहीं है। एक समस्या जो खासतौर पर काफी गहरी और साफ दिखाई देती है वह यह कि भाजपा नेतृत्व और इसके लोगों के बीच आपसी संपर्क बहुत कम है,बेशक इसे दूर किया जा सकता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके लिए पहले ही काफी देर नहीं हो चुकी? (हालांकि भाजपा के लिए जो एक स्थिति फायदेमंद है, वह यह कि इस इलाके में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन या तो बुरी तरह छितराया हुआ है या फिर है ही नहीं।) असल सवाल है कि आरएसएस विचारक राम माधव कितना कर पाएंगे,हालांकि उन्होंने भाजपा-पीडीपी गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी किंतु बाद में मोदी सरकार ने उन्हें किनारे कर दिया। हाल ही में उन्हें अनदेखी के अंधेरे कोने से बाहर निकालकर पुन: सक्रिय किया गया है। भाजपा बेतरह कामना कर रही है कि अगले कुछ दिनों में इस पूरे केंद्र शासित प्रदेश में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की रैलियां माहौल बनाने में मददगार हों।

सवाल यह है कि ऐसी नौबत बनी क्यों। क्या भाजपा ने जम्मू को कभी शिकायत न करने वाले परिजन की भांति हल्के में लिया, खासतौर पर जब जम्मू ने हमेशा उसे जितवाकर साथ निभाया? दोनों ही पक्षों को मालूम है कि यही बिंदु वैचारिक लड़ाई का मर्म है, आग की वह तपिश, जिसने दशकों से हिंदुत्व के हृदय को मथा है।भारतीय जनसंघ के विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु जून 1953 में लखनपुर में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से हुई, जब वे जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला की बेहद शक्तिशाली और करिश्माई जोड़ी द्वारा अनुच्छेद 370 को लागू किए जाने का विरोध करने के लिए जम्मू में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। वह अनुच्छेद जो उस मुस्लिम बहुल कश्मीरी आबादी को पुन: आश्वस्त करता था - जिसने पाकिस्तान के द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को खारिज करते हुए भारत में रहना चुना - यह मानकर कि वे हिंदू बहुल भारत में सुरक्षित रहेंगे। मुखर्जी की मृत्यु ने आरएसएस-भाजपा को अनुच्छेद 370 हटाने को अपनी मूल विचारधारा का हिस्सा बनाने के लिए विवश किया, लेकिन यह दलील कमोबेश जल्द ही इतिहास में खो ही जाने वाली थी। शेष भारत में करने को उनके पास और

बहुत कुछ था। और अगस्त 2019 तक यह मामला अपनी जगह कायम रहा, जब तक कि मोदी ने इसे सदा के लिए हटा नहीं दिया। अनुच्छेद 370 को इसलिए हटाया गया क्योंकि आरएसएस-भाजपा का मानना था कि हिंदू बहुल जम्मू संभाग, मुस्लिम अधिसंख्यकों वाली कश्मीर घाटी के अभिजात्य वर्ग के अधीन एक दोयम दर्जे का बनकर रहने की बजाय बराबर की हैसियत का हकदार है। इस मुद्दे पर जम्मू ने सदा भाजपा का साथ निभाया। अनुच्छेद 370 निरस्त होने पर जहां जम्मू के लोगों ने सड़कों पर जश्न मनाया वहीं इसके विपरीत, जैसा कि हम सभी जानते हैं, घाटी में हड़ताल रही, इंटरनेट बंद कर दिया गया, विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगी रही और राजनीतिक नेता नज़रबंद रहे। जमीनी स्तर पर मुकाबला बहुत कड़ा है- निर्वाचन के क्षेत्र-दर-क्षेत्र, मोहल्ला-दर -मोहल्ला, गांव-दर-गांव - टक्कर कांटे की है - इसी वजह से आगामी चुनाव इतना महत्वपूर्ण है। क्या जम्मू भाजपा को वह देगा जिसकी उसे चाहत है - पर्याप्त सीटें ताकि इनके दम पर उसका हाथ नए बने जम्मू और कश्मीर में सत्ता में वापसी की सौदेबाजी में ऊपर रह सके? या फिर उसे कम सीटों पर ही मन मसोस कर रहना पड़ेगा? जब यह क्षेत्र अपने रहनुमा से खेल नए सिरे से शुरू करने एवं अलग नियमों के अनुसार खेलने को कहेगा - अनुच्छेद 370 हमेशा के लिए दफन रखने के लिए, लेकिन वैचारिक मतभेद से इतर होकर, घाटी एवं मैदानी इलाके के लोगों को जोड़ने के लिए। हिमालय जितनी चौड़ी खाई को पाटने के लिए। संपूर्ण जम्मू-कश्मीर को फिर से जीवंत करने के लिए।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

संपादकीय

मौसम से सावधान

मानसून अब जाने को है और जाते-जाते बीमारियों का प्रकोप इस तरह बढ़ गया है कि चिकित्सकों की व्यस्तता बहुत बढ़ गई है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है और अगर समय पर सही इलाज न हो, तो मौसमी बीमारियां भी जानलेवा साबित होती हैं। विशेष रूप से कमजोर रोग प्रतिरोधी क्षमता वाले लोगों को तो मौसमी बीमारियां कुछ ज्यादा ही सताती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौसम के साथ तालमेल बिठाकर चलने की परिपाटी पहले से कुछ कमजोर पड़ी है, पर इलाज की सुविधा के बढ़ने से माहौल में बदलाव आया है। वैसे चिकित्सक पूरे मानसून या बरसात के मौसम में सतर्क रहने की सलाह देते हैं। फिर भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो कोताही या लापरवाही बरतकर अपनी मुश्किलें बढ़ा लेते हैं। मौसमी बीमारियों से अलग एमपॉक्स भी चिंता की वजह बना हुआ है। एमपॉक्स का एक मरीज अभी भारत में है और उम्मीद करनी चाहिए कि यह बीमारी भारत में न फैले। अफ्रीका में अब तक 100 से ज्यादा लोग इसके कारण मारे गए हैं और खुशखबरी यह है कि एमपॉक्स से बचाव के लिए दुनिया के पहले टीके को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी मंजूरी दे दी है। बरसात और उसमें भी जाती हुई बरसात डेंगू के खतरे को बढ़ा देती है। जगह-जगह जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इस मौसम में एडीज मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है और जब ये मच्छर काटते हैं, तो डेंगू के लक्षण उभर आते हैं। तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, आंखों में पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, शरीर पर दाने और रक्तस्राव का भी खतरा पैदा हो जाता है। पिछले वर्ष देश में डेंगू से 485 लोगों की मौत हुई थी और ढाई लाख से ज्यादा लोगों को इसने परेशान किया था। विशेष रूप से दक्षिण भारत में डेंगू का प्रकोप इस बार ज्यादा है, देश में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, अत- सावधान रहने की जरूरत है। अनावश्यक जलभराव से भी बचने की जरूरत है। मौसमी बीमारियों में चिकनगुनिया भी शामिल है। यह भी मच्छरों से फैलने वाला वायरल रोग है, इसमें भी तेज बुखार, मांसपेशियों व जोड़ों में गंभीर दर्द, सिरदर्द और थकान की शिकायत सामने आती है। चिकनगुनिया के साथ सबसे बुरी बात यह है कि इसका दुष्प्रभाव हफ्तों तक बना रह सकता है। ठीक इसी तरह, मलेरिया के भी मामले इस मौसम में बढ़ जाते हैं। यह भी परजीवी प्लाज्मोडियम और संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। इन दिनों ज्वर और वायरल बुखार के भी मामले बहुत बढ़ गए हैं। वायरल के लिए अनेक प्रकार के वायरस जिम्मेदार होते हैं और ये वायरस अपना प्रभाव या दुष्प्रभाव बदलते रहते हैं। वायरल बुखार से कमजोरी तेजी से बढ़ती है। जुकाम और खांसी के मरीजों की तो कोई गिनती ही नहीं है। अभी शायद ही कोई अस्पताल होगा, जहां मौसमी बीमारियों से सताए गए लोग अपना इलाज न करा रहे हों। भारत में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़नी चाहिए, ताकि बदलते मौसम में लोग अपने स्वास्थ्य का बचाव कर सकें। विशेष रूप से बच्चों को सेहतमंद रखने के लिए बड़ों को भी चौकस रहना चाहिए। बड़े अगर चौकस रहेंगे, तो बच्चों में भी सावधान रहने के गुण का विकास होगा। यह बात स्पष्ट है कि सामान्य सर्दी-जुकाम की वजह से भी लोगों का कामकाज प्रभावित होता है, उनकी उत्पादक क्षमता घटती है और कमाई भी। अत: बढ़ती सुविधाओं के साथ सामान्य लगने वाली बीमारियों को भी गंभीरता से लेने की आदत विकसित होनी चाहिए।

प्रेम और अपनत्व का भाव ही सामाजिक समरस

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

लेखाराम बिश्नोई

सनातन परंपरा, संस्कृति समाज में मनुष्ण एक ही ईश्वर की संतान है, और उनमें एक ही चैतन्य का अस्तित्व है। इस बात को वेद, उपनिषद, पुराण, स्मृतियां सभी मानते हैं। आदिकाल से सनातन संस्कृति में कभी भी किसी के साथ में किसी तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं किया गया। समाज रूपी परिवार में समरसता का उदाहरण श्रीराम के वनवास के दौरान उत्तर से दक्षिण तक विभित्र जातियों और वर्गों के मध्य परस्पर प्रेम व विश्वास का संचार किया गया। निषाद राज गुह के यहां रुककर और उन्हें गले लगाकर, शबरी के झूठे बेर भोजन में ग्रहण कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने सामाजिक समरसता का संदेश और मर्यादा का यह संदेश दिया।

भारत का प्राचीन इतिहास संघर्षों का रहा है। अनेक बर्बर जातियों शक, हुण, मंगोल, मुगल के आक्रमणों को हमने झेला है। इस संघर्ष के कालखंड में हमने गुलामी को कभी स्वीकार नहीं किया। भारतवर्ष के संपूर्ण भूभाग को कोई आक्रमणकारी एक साथ विजय नहीं कर सका। इस संघर्ष के काल में आक्रमणकारियों ने हमारे धार्मिक ग्रंथों में कुछ मिथ्या बातें जोड़ दी। जिससे कुछ विसंगतियां आ गई। जिसके कारण भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। इस कालखंड में भी हमारे ऋषि मुनियों, संतो ने भक्ति आंदोलन में समय-समय पर एक समरस समाज की स्थापना का प्रयास किया गया। इस पुनीत कार्य के कारण आदि शंकराचार्य, रामानुज, गुरु नानक देव, बाबा रामदेव,नामदेव, गुरु जंभेश्वर आदि जन-जन के आराध्य बन गए। सामाजिक समरसता एक व्यवहार का विषय है और इसे परस्पर व्यवहार के आचरण द्वारा ही स्थापित किया जा सकता है। यही प्रेम और अपनत्व का भाव ही सामाजिक समरसता है।

19वीं और 20वीं सदी में भी स्वामी विवेकानंद दयानंद सरस्वती, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, डॉ केशवराव बलिराम हेडगेवार, श्री गुरुजी माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर, द्वारा जीवन का क्षण क्षण सामाजिक समरसता को समर्पित रहा। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का मत था, कि यदि देश के संत महात्मा मिलकर यह घोषित कर दे कि हिन्दू धर्म शास्त्रों में छुआछूत का कोई स्थान नहीं है, तो इस अभिशाप को समाप्त किया जा सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 13-14 दिसंबर 1969 के उडुपी धर्म संसद में संघ के तत्कालीन सरसंघचालक गुरुजी के विशेष प्रयासों के परिणाम स्वरूप भारत के प्रमुख संतो ने एक स्वर में 'हिन्दव: सोदरा सर्वे ना हिन्दू पतितो भवेत् मंम दीक्षा हिन्दू रक्षा मंम मंत्र समानता' के उद्घोष के साथ सामाजिक समरसता का ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया।

सुष्टि के किसी भी कालखंड में समाज अपने परम वैभव पर पहुंचा है। तो वह समरसता के बलबूते पर पहुंचा है, और वर्तमान समय की महती आवश्यकता सामाजिक समरसता है। सामाजिक समरसता और भारतीय ऋषि मुनियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण के कारण भारत विश्व गुरु बना और मानव जाति को वृष्टि से समटि तक की यात्रा तय की।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के अभाव में न तो चैन, सुखपूर्वक वह रह सकता है। न वह प्रगति कर सकता है। यही कारण है कि मनुष्य अपने समाज समुदाय और परिवार के प्रतिभावात्मक रूप से बंधा रहता है। परिवार, जाति, धार्मिक संप्रदाय सभी में सदस्यों के मध्य भावामक एकता होती है, जो समाज को एकता के रूप में पिरोकर रखती है। कोई भी समाज समूह या समुदाय अधिक दिनों तक भावात्मक एकता के बिना जीवित नहीं रह सकता, और यह भावात्मक एकता किसी राष्ट्र के अस्तित्व के लिए परम आवश्यक है, इसे दूसरे शब्दों में राष्ट्रीय एकता कहा जाता है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग का यह दायित्व है, कि वे समाज में समरसता का विमर्श खड़ा करें और इसे व्यक्तिगत जीवन में व्यवहार के रूप में स्थापित करें। यही सच्ची समाज सेवा है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के अभाव में न तो चैन, सुखपूर्वक वह रह सकता है। न वह प्रगति कर सकता है। यही कारण है कि मनुष्य अपने समाज समुदाय और परिवार के प्रतिभावात्मक रूप से बंधा रहता है। परिवार, जाति, धार्मिक संप्रदाय सभी में सदस्यों के मध्य भावामक एकता होती है, जो समाज को एकता के रूप में पिरोकर रखती है। कोई भी समाज समूह या समुदाय अधिक दिनों तक भावात्मक एकता के बिना जीवित नहीं रह सकता, और यह भावात्मक एकता किसी राष्ट्र के अस्तित्व के लिए परम आवश्यक है, इसे दूसरे शब्दों में राष्ट्रीय एकता कहा जाता है। समाज के प्रबुद्ध वर्ग का यह दायित्व है, कि वे समाज में समरसता का विमर्श खड़ा करें और इसे व्यक्तिगत जीवन में व्यवहार के रूप में स्थापित करें। यही सच्ची समाज सेवा है।

विचार मंथन

960 करोड़ लागत के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 की बदहाल स्थिति

(लेखक- सनत जैन)

देश का पहला साउंडप्रूफ हाईवे, जिसका उद्घाटन बड़ी धूमधाम से 2021 में किया गया था। यह बदहाली का शिकार हो चुका है। 28 किलोमीटर लंबा हिस्सा बनाने में 960 करोड़ रुपये की लागत आई थी। सिवनी और नागपुर के बीच में इस राजमार्ग पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। खराब स्थिति के कारण यह हाईवे देश भर की सुर्खियों में बना हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 का यह खंड, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की महत्वाकांक्षी परियोजना थी। साउंड प्रूफ बनाने के लिए इस राजमार्ग में पानी की तरह पैसा बहाया गया था। वहां पर आज बड़े-बड़े गड्ढों और बातरतीब मरम्मत नहीं होने की वजह से सिंगल लाइन से गाड़ियां निकल रही हैं। इस कारण वाहन चालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस पर भी यहां से गुजरने वाले वाहनों को टोल टैक्स पूरा देना पड़ रहा है। साउंडप्रूफ हाईवे को बनाने के लिए दोनों तरफ मेटल शीट्स लगाई गईं हैं, ताकि वाहनों के शोर से पास के नेशनल टाइगर रिज़र्व के जानवरों और पशु पक्षियों पर शोरगुल का प्रभाव न पड़े। इस हाईवे पर आवाजाही करते समय यात्रियों को न केवल आवाज़ वरन सड़कों की खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 200 फीट लंबा हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है, जिसका पूरा पुनर्निर्माण किया जा रहा है। सड़कों के बीच बड़े-बड़े गड्ढे के कारण कई दुर्घटनाऐं हो गई हैं। एक ही साइड से यातायात को चलाया जा रहा है। दोनों ओर वाहनों की कतारें लगी हुई हैं। राजमार्ग के 28 किलोमीटर के क्षेत्र में बड़े-बड़े गड्ढे हैं। जिसके कारण वाहन चालकों का चलना दूभर हो गया है। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के रखरखाव में गड़बड़ी को उजागर करती है। भारत के सबसे आधुनिक राजमार्गों में से एक इस राजमार्ग में सुरक्षा के विशेष उपाय किए गए थे। वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर काफी प्रयास के बाद इस राजमार्ग को बनाने की अनुमति मिली थी। उच्च लागत वाली परियोजनाओं का दीर्घकालिक लाभ तभी मिल सकता है। जब इनका उचित रख-रखाव हो निर्माण कार्य बेहतर हो, भ्रष्टाचार ना हो। पिछले 10 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर बहुत बड़े-बड़े दावे किए गए। अब एक-एक करके घपले-घोटाले बड़ी संख्या में खुलकर सामने आने लगे हैं। जिस तरह से राजमार्ग और पुल क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। उससे वर्तमान केंद्र सरकार की बड़ी बदनामी हो रही है। विशेष रूप से राजमार्गों की गुणवत्ता और रख-रखाव को लेकर अब नितिन गडकरी के ऊपर भी निशाना साधा जा रहा है। पिछले कई वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में लागत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया है। कैग की आडिट रिपोर्ट में कड़ी आपत्ति जताई गई थी। किसी तरह वह मामला दब गया था। अब एक-एक करके फिर मामले खुलने लगे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर जिस तरह से टोल टैक्स वसूला जा रहा है। उसकी भी कड़ी आलोचना होने लगी है। पहले 60 किलो मीटर से कम में कोई टोल टैक्स नहीं होता था। अब 20 से 30 किलोमीटर में कई टोल नाके देखने को मिल जाते हैं। इस समय अंधेर नगरी चौपट राजा जैसे हालात हैं। जिसको जो मन में आ रहा है, वह कर रहा है। जिस तरह से रोजाना कपड़े बदले जाते हैं। उसी तरह बार-बार केंद्र सरकार अपने नियम एवं कानून बदल देती है। सरकार को लगता है, जनता से विभिन्न माध्यमों से जो टैक्स और शुल्क वसूल किए जा रहे हैं। जनता के पास बहुत पैसा है, सरकार जो टैक्स लगाती है। जनता उसे आसानी से स्वीकार कर लेती है। अभी तक टोल नाकों को लेकर देश में कोई आंदोलन नहीं हुआ है। जिस राष्ट्रीय राजमार्ग से लागत, ब्याज और मुनाफा वसूल हो चुका है। उन पर अभी भी टैक्स वसूल किया जा रहा है। जो नियमों के विपरीत है। टैक्स वसूली के लिए फास्ट ट्रैक के बाद अब एक नया जीपीएस सिस्टम लाया जा रहा है। इसमें 24 घंटे में यदि कोई वाहन 20 किलोमीटर राजमार्ग पर चलेगा, तो उसके बाद शुरू से लेकर पूरा टोल टैक्स किलोमीटर के हिसाब से जीपीएस के माध्यम से कट जाएगा। टोल नाके के आसपास के लोगों को भी रोजाना टोल टैक्स देना पड़ जाएगा। राजमार्ग परिवहन मंत्रालय ने 1,40,000 करोड रुपए का लक्ष्य टोल टैक्स से वसूल करने का बनाया है। वह टैक्स जीपीएस के माध्यम से सरकार वसूल करेगी। जो कि वर्तमान की तुलना में लगभग तीन गुना ज्यादा होगा। सरकार आम जनता के ऊपर तरह-तरह के टैक्स और शुल्क आये दिन लगा रही है। उसका विरोध शुरू होने लगा है। सरकार को यह ध्यान रखना होगा। जनता के ऊपर इस तरह से टैक्स का बोझ ना डाला जाए, जो जनता सहन नहीं कर पाए।

संयुक्त परिवार के फायदे

- बड़े परिवार में बच्चे को भरपूर प्यार और स्नेह मिलता है। यही स्नेह, प्यार बच्चे के अन्दर सुरक्षा की भावना को बढ़ाता है। उसके अन्दर संसार को देखने, जानने की उत्सुकता बढ़ती है।
- बच्चे का परिवार में एक अलग स्थान बन जाता है। उसे केवल एक समूह का हिस्सा नहीं माना जाता। हर व्यक्ति उसका खास ध्यान रखता है। इस तरह बच्चा परिवार के हर व्यक्ति का आत्मीय बन जाता है।
- परिवार के साथ रह कर ही बच्चा चीजों को देखना, परखना सीखता है। उसे नई बातें सीखने के अवसर मिलते हैं। वह धीरे-धीरे अपने कामों को समझने लगता है। इतना ही नहीं वह अपनी उम्र के मुताबिक जिम्मेदारी भी उठाना सीखता है।
- बड़े परिवार में हर उम्र के लोग होते हैं। चूंकि बच्चा हर समय देखता और सीखता रहता है, इसलिए हर उम्र के लोगों के साथ रहना, उसके लिए फायदेमंद होता है। उसे परिवार में तरह तरह के लोगों से मिलने, खेलने तथा सीखने के अवसर मिलते हैं।
- बच्चा हर समय और हर जगह सीखता रहता है। इसलिए उसे सिखाने या समझाने का कोई खास समय या स्थान नहीं बनाना चाहिए।
- बच्चा परिवार में कई लोगों से घिरा रहता है, जो उसमें रुचि लेते हैं और जीवन की गाड़ी चलाने में उसके मार्गदर्शक बनते हैं। बच्चा उनके ही व्यवहार से अलग अलग उम्र के लायक बातें सीखता है। साथ ही अनुशासित होना भी सीखता है।
- बच्चा अपने परिवार में बोलचाल की भाषा सुनता है और नकल करके, उसे बोलने की कोशिश करता है। इस प्रकार तरह तरह के प्रयोगों द्वारा परिवार में ही बोली का अभ्यास भी होता रहता है।
- बच्चा नकल करके, देखकर, सुनकर सीखता है। अतः परिवार के साथ रहने पर उसे बहुत कुछ अपने आप ही आ जाता है।
- परिवार में रहने से बच्चे की कल्पना एवं रचना शक्ति बढ़ती है। वह अक्सर दूसरे बच्चों के साथ माता-पिता की नकल करता है। बाबा-दादी बनकर खेलता है। इस तरह वह परिवार, समाज की तरह तरह की भूमिकाएं निभाना सीखता है। उसे परिवार या समाज के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाने की यह पहली सीढ़ी भी कही जा सकती है।

अवसर दें बच्चों को

परिवार बच्चों को सीखने या आगे बढ़ने के जो अवसर देता है, वह उसे किसी भी जगह नहीं मिल सकती। किसी स्कूल में एक अध्यापक के साथ बच्चों का पूरा समूह होता है। वह हर बच्चे पर पूरा पूरा ध्यान नहीं दे सकता। इसलिए बच्चे को विकसित होने के लिए परिवार जैसा अच्छा माहौल कहीं नहीं मिल सकता।

बच्चों को ऐसे बढ़ाएं आगे

परिवार हमारे समाज की पहली इकाई है। लेकिन आधुनिकता और भौतिकता की दौड़ में आज परिवार छोटे और छोटे ही होते चले जा रहे हैं। माता-पिता बच्चों को कैसे समझाएं, जिससे बच्चे सदा आगे बढ़ते रहें। आइये जानते हैं इस बारे में।

आने वाले समय में हमारे समाज की इस इकाई का क्या स्वरूप होगा कहा नहीं जा सकता। लेकिन किसी भी दशा में किसी भी समाज की पहली इकाई परिवार है। दुनिया के हर समाज में परिवार को महत्व दिया गया है। हां इसका स्वरूप अलग अलग जगहों पर अलग तरह का है। परिवार कहीं छोटे तो कहीं बड़े हैं। कहीं पर परिवार में मां, पिता और एक बच्चा ही है। कहीं पर पिता, मां, बच्चों और बाबा दादी को मिलाकर परिवार बना है। सम्मिलित परिवार में सब तरह के रिश्ते और उम्र के लोग होते हैं।

शहरी और ग्रामीण परिवेश

भारत में खासकर गांवों में परिवार बड़े हैं। लेकिन शहरों में परिवार छोटे हैं। शहरों में बच्चे को मां-बाप के साथ छोटे से मकान में रहना पड़ता है। कुछ परिवारों में बच्चा अपने चाचा, चाची, माता-पिता के साथ रहता है, परन्तु इन सभी परिवारों में मां-बच्चे के बीच सबसे अधिक नजदीकी रिश्ता है। बच्चे के विकास में भी मां की ही सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका रहती है। बच्चा पैदा होने के बाद से मां के आंचल में रहते हुए भी सीखना शुरू कर देता है। मां की लोरियां उसे सिर्फ सुलाती ही नहीं, उसके अन्दर प्रारंभ से ही सुनने, ध्यान देने और समझने की क्षमता भी विकसित करती है।

संयुक्त परिवार का महत्व

दूसरी ओर माता-पिता या बाबा-दादी, नाना-नानी द्वारा सुनाई गई कहानियां उसका नैतिक, चारित्रिक विकास करने के साथ ही उसके अंदर मानवीय मूल्यों की नींव भी डालती हैं। इसीलिये मां को पहली शिक्षक भी कहा जाता है।

वातावरण का असर

बच्चे के विकास पर उसके परिवार तथा वातावरण का बहुत ज्यादा असर पड़ता है। कुछ खास बातें ऐसी हैं, जो हर परिवार में पाई जाती हैं, चाहे वह छोटा हो या बड़ा परिवार। और इन बातों का असर बच्चे के पूरे व्यक्तित्व, उसके विकास पर सीधे पड़ता है। इन बातों का परिवार के आर्थिक स्तर, गरीबी-अमीरी से कोई मतलब नहीं है।

परेशानी न बन जाएं आपके बच्चे

ऐसा नहीं है कि लड़के शैतान होते हैं। लड़कियां भी कम जिद्दी व शैतान नहीं होतीं। इस तरह की समस्याएं किन्हीं दो-चार महिलाओं की नहीं वरन् अधिकतर महिलाओं को इस दौर से गुजरना पड़ता है। उन्हें हर रोज ही इस तरह की किसी न किसी शर्मनाक स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। तो क्या इसी वजह से वे कहीं आना-जाना छोड़ दें, या फिर बच्चे को साथ ही न ले जाएं? तो फिर उसे कहां छोड़ें? कई महिलाओं का यह भी तर्क है कि जब तक बच्चा इस तरह सभा-सोसायटी में जाएगा नहीं तो वह उठने-बैठने के तौर तरीके सीखेगा कैसे?

ये सब तर्क किसी हद तक वाजिब भी हैं, परंतु आपका लाड़ला दूसरों की परेशानी का सबब बन जाए, यह भी तो उचित नहीं है। मां होने के नाते बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी आप ही की है।

ऐसे समझाएं बच्चे को

जब तक आपका बच्चा समझदार न हो जाए, आपको ही अपने सुखों का त्याग करना होगा। यह भी ठीक नहीं है कि हर समय आप ही त्याग करें। इसके लिए पति-पत्नी दोनों को मिलकर सहयोग करना होगा। घर में यदि कोई दूसरी महिला जैसे मां, सास-नन्द, जेठानी, देवरानी हो तो बच्चा कुछ समय के लिए उनके पास भी छोड़ा जा सकता है। किसी पार्टी या ऐसी ही कोई पार्टी, जहां केवल महिलाएं ही आती हों, बच्चे को साथ न ले जाएं।

संभल के करें ब्लीच

चेहरे को साफ-सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए ब्लीच एक बेहतर विकल्प है। इसे लगाते समय बस, इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।

इन बातों का रखें ख्याल

- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- ब्लीच को कभी आंखों, आई ब्रो व सिर के बालों पर न लगने दें।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।
- ब्लीच का अधिक इस्तेमाल आपकी त्वचा के लिए नुकसानदेह हो सकता
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।

बाल्यावस्था बहुत ही नाजुक तथा मासूम चरण होता है। इसी अवस्था में बच्चों को मार्गदर्शन की अत्यंत आवश्यकता होती है। लेकिन शहरी महिलाएं अधिक व्यस्तता और दोहरी जिन्दगी के कारण घर परिवार को कम समय दे पाती हैं। फलतः बच्चों को अपने माता-पिता का संरक्षण एवं निर्देशन नहीं मिल पाता है।

मां की ममता से दूर होता बचपन

मनोवैज्ञानिकों ने यह साबित किया है कि परिवार में ही बालक का चरित्र तथा मनोवृत्तियां विकसित होती हैं। परिवार में ही बालक कोमलता, सहानुभूति, आत्मसमर्पण तथा जिम्मेदारी महसूस करना आदि आवश्यक गुण सीखता है। डॉ. सेठी राजनीति शास्त्र की प्रोफसर हैं। श्रीमती सेठ के पति भी नौकरी करते हैं। इनका एक वर्ष का पुत्र शौर्य है, जिसकी देखभाल इनके अलावा आया करती है। आया तथा पति के न रहने के कारण वे शौर्य को कभी-कभी सोते हुए घर पर छोड़कर कॉलेज चली जाती है।

समय का अभाव : सोम्या का कहना है कि मेरे दो बच्चे हैं, एक पांच साल का तथा दूसरा आठ साल का। जिसकी देखरेख आया करती है। आठ-दस घंटे बच्चे आया के साथ रहते हैं, जिसके कारण इनका आया से ज्यादा लगाव हो गया है। यहां तक कि बच्चे उसी के साथ रहना तथा उसी के हाथों खाना पसंद करते हैं। आया थोड़े दिनों के लिए भी अपने गांव जाती है तो बच्चे बीमार हो जाते हैं। भारत में ऐसे अनेक परिवार हैं जो बच्चों को अपने से दूर रखते हैं।

पालन-पोषण पर ध्यान दें : माता-पिता से बालक के संबंध में तादात्म्य ही नहीं बल्कि अनुकरण, संकेत और सहानुभूति की प्रक्रियाएं भी काम करती हैं। माता-पिता जैसा करते हैं, वैसा बालक भी करने लगते हैं। माता-पिता और बालक के संबंधों का व्यक्तित्व पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। उनकी उपेक्षा अनुचित है। इससे बालकों में अनेक आपराधिक प्रवृत्तियां बन जाती हैं। बालक अपने बड़ों के अनुकरण से बहुत कुछ सीखते हैं। माता-पिता ही समाज के रीति-रिवाजों, व्यवहारों, संस्कृति के अन्य आवश्यक अंगों, स्वास्थ्य रक्षा, प्रेम, सहानुभूति, त्याग, सहयोग आदि की व्यवहारिक शिक्षा देते हैं। इसलिए बच्चों के सारे कामों में भाग लें। बच्चों को अधिक समय दें। उनकी पढ़ाई खुद देखें। यदि आप काम में लगी हों तो आयु के अनुसार उन्हें भी काम देकर अपने पास बैठाएं। उन्हें एक व्यक्ति मानकर सम्मान दें, बच्चा मानकर न चलें। बच्चों के पालन-पोषण पर ध्यान दें। उनके साथ पारस्परिक सद्भावना, आदर्श, प्रेमपूर्ण रिश्ता कायम करें।

फाउंडेशन मेकअप का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं।

फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशनझ अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है।

फाउंडेशन का चुनाव

फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

कैसे लगाएं

फाउंडेशन से न सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाया जाता है, बल्कि इससे चेहरे की बनावट में भी बदलाव लाया जा सकता है। मगर यह तभी संभव है, जब आप इसे लगाना जानती हों।

फाउंडेशन सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन और कान के हिस्से पर भी एकसार लगाएं।

अगर चेहरा गोल हो, तो उस पर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि फेस स्क्वायर या डायमंड शेप है, तो जबड़े और ठोड़ी पर गहरे रंग का फाउंडेशन तथा शेष चेहरे पर उससे हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं।

यदि आंखों के नीचे की त्वचा का रंग हल्का है, तो यहां गहरे रंग का फाउंडेशन लगाना चाहिए। आंखों के नीचे काले निशान या झांइयां होने की स्थिति में वहां हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं।

चौड़ी नाक को पतला दिखाना हो, तो बाकी चेहरे की तुलना में नाक के दोनों ओर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। अगर गालों की हड्डियां उभरी हुई हों, तो उसके नीचे गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं।

फाउंडेशन लगाने के बाद चेहरे पर फेस-पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर फाउंडेशन के शेड का अथवा उससे एक शेड हल्का लगाना चाहिए। फाउंडेशन की तरह ही फेस पाउडर अनेक रंगों में उपलब्ध है। इसलिए इसका चुनाव त्वचा के रंग और फाउंडेशन के शेड के अनुसार ही करें।

मोदी सरकार के फैसले से रॉकेट बने चावल से जुड़ी कंपनियों के शेयर

मुंबई । चावल से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में सोमवार को भारी तेजी दिखाई दी और इस दौरान कोहिनूर फूड्स के शेयर 20 फीसदी चढ़ गए। बता दें कि मोदी सरकार ने बासमती चावल पर 950 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) हटा दिया है, जिसके चलते यह तेजी हुई। कोहिनूर फूड्स के शेयरों में 20 फीसदी, एलटी फूड्स में 9.72 फीसदी, केआरबीएल में 7.67 फीसदी और चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स में 5.92 फीसदी की तेजी आई। मोदी सरकार ने कहा था कि बासमती चावल पर 950 डॉलर प्रति टन न्यूनतम निर्यात मूल्य हटा दिया गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस कदम से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अदाणी पावर, अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आठ फीसदी तक तेजी

नई दिल्ली। अदाणी समूह को महाराष्ट्र में लंबी अवधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय और ताप बिजली आपूर्ति का ठेका मिलने के बाद सोमवार को अदाणी पावर के शेयर में लगभग आठ प्रतिशत की तेजी आई। इस ठेके के लिए समूह की 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टोरेंट पावर जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। बीएसई पर अदाणी पावर का शेयर 7.53 प्रतिशत बढ़कर 681.30 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 7.59 प्रतिशत बढ़कर 681.55 रुपये पर कारोबार कर रहा था। अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर भी बीएसई पर 7.39 प्रतिशत बढ़कर 1,920 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर यह 7.25 प्रतिशत बढ़कर 1,918 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

नियमों का पालन नहीं करने वाले बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार बैंकों के लिए जुर्माना बढ़ाने के बारे में विचार कर सकती है, यदि वे नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी कि सरकार इस सिलसिले में नियामक प्रणाली की समीक्षा कर सकती है, जिसके लिए बैंकिंग विनियमन (बीआर) अधिनियम 1949 और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम 1934 में संशोधन किया जा सकता है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वर्तमान में जुर्माना राशि बहुत कम है। हम इस पर नियामक के साथ चर्चा करेंगे और प्रावधानों में संशोधन की संभावनाओं पर विचार करेंगे। मौजूदा व्यवस्था में रिजर्व बैंक बीआर अधिनियम की धारा 46 और 47 ए समेत अन्य प्रावधानों के तहत जुर्माना लगा सकता है, जो नियामकीय दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर लगाया जाता है।

टोरेंट पावर हरित परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ निवेश करेगी

गांधीनगर । टोरेंट पावर ने सोमवार को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। कंपनी ने बताया कि इससे करीब 26,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। विविध क्षेत्र में काम करने वाली टोरेंट समूह की एकीकृत बिजली कंपनी टोरेंट पावर लिमिटेड ने हरित और टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। कंपनी ने सोमवार को गांधीनगर में री-इन्वेस्ट कार्यक्रम के चौथे संस्करण में केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को दो शपथ पत्र सौंपे। री-इन्वेस्ट का आयोजन नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सीआईआई के साथ मिलकर किया है। बयान के अनुसार कंपनी ने 2030 तक 57,000 करोड़ रुपये के निवेश से 10 गीगावाट की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता हासिल करने के लिए एक शपथ पत्र सौंपा है। इस निवेश से लगभग 25,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दूसरा शपथ पत्र 7,200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक लाख किलो टन प्रति वर्ष (केटीपीए) क्षमता वाले ग्रीन अमोनिया उत्पादन संयंत्र के लिए है। कंपनी के मुताबिक इससे करीब 1,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

नई बाइक 2024 यामाहा आर15 एम लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार के लिए यामाहा मोटर इंडिया ने अपनी नई बाइक 2024 यामाहा आर15 एम को दो आकर्षक वेरिएंट्स लॉन्च किया है। कार्बन फाइबर पैटर्न ग्राफिक्स वाली आर15एम की कीमत 2,08,300 रुपये (एक्स-शोरूम) है और इसे यामाहा के ब्ल्यू स्क्वैयर डीलरशिप्स से खरीदा जा सकता है। वहीं, मेटालिक ग्रे वेरिएंट की कीमत 1,98,300 रुपये (एक्स-शोरूम) है, जिसे यामाहा के सभी आउटलेट्स से खरीदा जा सकेगा। यह बाइक हीरो करिज्मा एक्सएमआर, सुजुकी गिक्सर एसएफ 250 और केटीएम आरसी 200 जैसी बाइक्स को टक्कर देगी। नई यामाहा आर15 एम के इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 155सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलिंडर इंजन दिया गया है, जो वेरिएबल-वॉल्व एक्चुएशन तकनीक के साथ आता है। यह इंजन 18.4पीएस की पावर और 14.2 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है।यामाहा मोटर इंडिया के चेयरमैन, ईशिन चिहाना ने कहा, आर15 ने 2008 में लॉन्च होने के बाद से अपने क्लास में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

नई आर15एम में पावरफुल इंजन, इनोवेटिव फीचर्स और

स्पोर्टी कार्बन-फाइबर पैटर्न से लैस है। हमें पूरा विश्वास है कि यह बाइक प्रीमियम मोटरसाइकिलिंग एक्सपीरियंस चाहने वाले ग्राहकों को खुश करेगी। बाइक में ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, अपशिफ्ट के लिए क्विकशिफ्टर, स्लिपर क्लच, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, म्यूजिक और वॉल्यूम कंट्रोल जैसे फीचर्स शामिल हैं, जिन्हें वाय-कनेक्ट एप्लिकेशन के जरिए कंट्रोल किया जा सकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ ही 83.87 रुपये पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने और विदेशी कोषों की खरीदारी और लिवाली बढ़ने से सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 83.87 पर पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि बाजार में प्रतिभागी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें ब्याज दरों में कटौती लगभग तय है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप के चलते रुपया एक अच्छी तरह से परिभाषित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 83.89 पर खुला और बढ़त दर्ज करते हुए 83.87 के स्तर पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे ऊपर आया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे बढ़कर 83.92 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.26 फीसदी नीचे आकर 100.85 पर पहुंच गया।

रिलायंस रिटेल ने गैर-खाद्य, सामान्य वस्तुओं का व्यापार क्षेत्र बढ़ाया

नई दिल्ली । देश की प्रमुख खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल ने मार्जिन में सुधार के लिए अपने किराना स्टोर में गैर-खाद्य और सामान्य वस्तुओं के व्यापार क्षेत्र में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि की है। उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि इस कदम से कंपनी अपने ई-कॉमर्स मंच जियोमार्ट के जरिये स्थानीय बिक्री को बढ़ावा देना चाहती है। खुदरा विक्रेता जियोमार्ट के जरिये अपने स्मार्ट और स्मार्ट बाजार स्टोर को जोड़ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को अधिक विविधता मिल रही है। इसके तहत रिलायंस रिटेल अब अपने स्टोर में बदलाव ला रही है और गैर-खाद्य तथा सामान्य वस्तुओं के लिए अधिक व्यापार क्षेत्र आवंटित कर रही है। यह एक ऐसा खंड है, जो किराना और परिधान जैसे अन्य खंडों की तुलना में अधिक मार्जिन देता है। ताजा जून तिमाही में रिलायंस रिटेल का परिचालन से कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन 8.2 प्रतिशत था, जो सालाना आधार पर 0.3 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में इसका एबिटा मार्जिन 8.5 प्रतिशत था, जिसमें सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत का सुधार हुआ। इस बारे में टिप्पणी के लिए रिलायंस रिटेल को भेजे गए ईमेल का जवाब अब तक नहीं मिला।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 98 अंक की बढ़त के साथ ही 82,988.78 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 82,832.82 और 83,184.34 के बीच कारोबार हुआ। वहीं 50 शेयरों वाल एनसएसई निफ्टी 27.25 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी ऊपर आकर 25,383.75 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,336.20 और 25,445.70 के बीच कारोबार हुआ। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। एनटीपीसी, जेएसडब्यू स्टील, एलएंडटी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे । इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, एमएंडएम, सन फार्मा, टाटा स्टील, एचडीएसफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, पावर ग्रिड और भारती एयरटेल के शेयर भी ऊपर आये। दूसरी ओर सेंसेक्स के 15 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें बजाज फाइनैंस, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, एसबीआई, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आईटीसी, मारुति, टीसीएस, एचसीएल टेक और रिलायंस के शेयर भी नीचे आये।

बाजार जानकारों के अनुसार आज घरेलू बाजार में सीमित दायरे में सकारात्मक रुझान के साथ करोबार हुआक क्योंकि निवेशक इस हफ्ते फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका के जॉब मार्केट में कमजोरी और नियंत्रित महंगाई से ब्याज दरों में कटौती की भी संभावन है।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 180.92 अंक चढ़कर 83,071.86 पर कारोबार कर रहा था। साथ ही निफ्टी-50 में भी बढ़त देखी गई और यह 55.1 अंक के साथ 25,411.60 पर कारोबार रहा था। बाजार में तेजी का रुझान बना हुआ है।

एजीईएल और अदाणी पावर ने एमएसईडीसीएल के साथ किया बिजली खरीद समझौता

- समझौते के तहत दोनों कंपनियां कुल 6.6 गीगावाट की ऊर्जा आपूर्ति करेंगी

नई दिल्ली ।

अदाणी ग्रुप की कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और अदाणी पावर ने महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के साथ एक महत्वपूर्ण बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, दोनों कंपनियां कुल 6.6 गीगावाट की ऊर्जा आपूर्ति करेंगी। एजीएईएल ने 5 जीडब्ल्यू की सौर ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक लंबे समय के पीपीए पर हस्ताक्षर किया है। यह सौर ऊर्जा परियोजना 25 वर्षों के लिए प्रति किलोवाट घंटे 2.70 रुपये की फ्लैट दर पर बिजली आपूर्ति करेगी। सौर परियोजनाएं तीन वर्षों के भीतर चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएंगी और इनका संचालन गुजरात के कच्छ जिले में स्थित खवड़ा में एजीएईएल के नवीकरणीय ऊर्जा पार्क से किया जाएगा। इसके साथ ही अदाणी पावर ने एमएसईडीसीएल के साथ 1496 मेगावाट (नेट) की थर्मल पावर सप्लाई के लिए एक लॉन्ग-टर्म पावर सप्लाई एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना के तहत, अदाणी पावर महाराष्ट्र को नए 1600 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट से बिजली सप्लाई करेगी, जिसे डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन एंड ऑपरेट आधार पर विकसित किया जाएगा। ईंधन की आपूर्ति शक्ति नीति के तहत कोयला लिंकिंग से होगी। कंपनियों ने बताया कि

यह समझौता 2020 के बाद से विश्व की सबसे बड़ी सोलर एनर्जी टेंडर में से एक है और थर्मल एनर्जी का टेंडर भी हाल के वर्षों में प्राइवेट सेक्टर को दिया गया भारत का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। यह समझौता एजीईएल की भारत में लीडिंग भूमिका को और मजबूत करेगा और अदाणी पावर की क्षमता को भी दिखाता है।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर जल्द शुरू होगी बड़ी सेल

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स साइट अमेजन और फ्लिपकार्ट पर साल की सबसे बड़ी सेल जल्द ही शुरूआत हो सकती है। इन सेल का नाम फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिबल सेल है। इस सेल में उपभोक्ताओं को मोबाइल, होम एप्लाइसेंस, घर की डेकोरेशन, कंप्यूटर, मोबाइल असेसरीज पर बेपर डिस्काउंट मिलने जा रहा है। साथ ही कस्टमर को बैंक ऑफर्स का भी फायदा मिलेगा। सूत्रों से पता चला है कि फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल 2024 की शुरूआत 27 सितंबर से हो सकती है। इस दौरान यूजर्स को एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ट पर इंस्टैंट कैशबैक देखने को मिलेगा। फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल 2024 के दौरान एप्पल, सैमसंग और गूगल जैसे ब्रांड अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन की कीमतों में कमी कर सकते हैं। स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के अलावा लाइफस्टाइल, किराना, घर और फर्नीचर उत्पादों पर छूट मिलेगी। अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल की भी जल्द ही शुरूआत होनी वाली है। हालांकि इसकी तारीखों का खुलासा नहीं हुआ है। इस सेल के दौरान ग्राहकों को स्मार्टफोन, कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट आदि पर अच्छा डिस्काउंट मिलेगा।

इस हफ्ते आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल कर सकती है स्विगी

नई दिल्ली ।

भारत की प्रमुख फूड-डिलीवरी कंपनी स्विगी लिमिटेड इस सप्ताह अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए दस्तावेज दाखिल करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार बेंगलूरु स्थित स्विगी 1 बिलियन डॉलर (लगभग 8,300 करोड़ रुपये) से अधिक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी इस समय आईपीओ फाइलिंग के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी का इंतजार कर रही है। सूत्रों के अनुसार आईपीओ का आकार और समय को लेकर अभी भी चर्चाएं जारी हैं और इनमें बदलाव हो सकता है। 2014 में स्थापित स्विगी भारत में 150,000 से अधिक रेस्टोरेंट्स के साथ साझेदारी करती है और अपने प्रतिद्वंद्वियों जोमैटो, अमेज़न और टाटा समूह के बिगबास्केट के साथ प्रतिस्पर्धा करती है। सॉफ्टबैंक ग्रुप द्वारा समर्थित स्विगी इस आईपीओ के जरिए भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक निवेशकों की रुचि का लाभ उठाना चाहती है। इस साल भारतीय शेयर बाजार में अब तक 7.8 बिलियन डॉलर से अधिक की राशि आईपीओ के माध्यम से जुटाई जा चुकी है, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार स्विगी के आईपीओ के बाद अन्य बड़ी कंपनियों की भी लिस्टिंग होने की उम्मीद है, जिनमें हुंडई मोटर और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। हुंडई मोटर की भारतीय इकाई की संभावित लिस्टिंग को भारत की सबसे बड़ी लिस्टिंग में से एक माना जा रहा है, जबकि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का भारतीय कारोबार 1.5 बिलियन डॉलर तक जुटा सकता है। इन कंपनियों के कदम से भारतीय शेयर बाजार में और अधिक सक्रियता आने की संभावना है।

भारत में इलेक्ट्रिक कार विंडसर ईवी लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में एमजी मोटर इंडिया ने अपनी तीसरी पूरी इलेक्ट्रिक कार, विंडसर ईवी को लॉन्च कर दिया है। यह कार तीन वेरिएंट्स इक्साइट, एक्सक्लूसिव, और ईसेंस में उपलब्ध होगी। विंडसोर ईवी चीन की वूलिंग क्लाउड ईवी का रीबैज्ड वर्शन है।

इसका डिज़ाइन स्लीक स्प्लिट हेडलाइट सेटअप और कनेक्टेड एलईडी डीआरएलएस के साथ आधुनिक है।

कार में 15.6-इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 8.8-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, और पीछे की सीट 135 डिग्री तक रिक्लाइन होती है। इसमें 38केडब्ल्यूएच की एलएफपी बैटरी का उपयोग किया गया है, जो एक इलेक्ट्रिक मोटर को ऊर्जा भेजती है।

इस मोटर से 134 बीएचपी पावर और 200 एनएम टॉर्क उत्पन्न होता है, और जानकारी के अनुसार, एक बार फुल चार्ज होने पर इसकी रेंज 331 किलोमीटर है। चार्जिंग के विकल्प में 3.3 केडब्ल्यू सीसीएस2 कनेक्शन, 7.4केडब्ल्यू, और 50केडब्ल्यू चार्जिंग शामिल हैं। बैटरी को 45 केडब्ल्यू डीसी फास्ट चार्जर से भी चार्ज किया जा सकता है। बैटरी के किराए पर 3.5 रुपये प्रति किमी खर्च आएगा।

यदि साल में 50,000 किलोमीटर चलाते हैं, तो बैटरी रेंट की लागत 2 लाख रुपये से कम होगी। इस नई कार की शुरुआती कीमत 9.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, लेकिन इसमें एक खास ट्विस्ट है। बैटरी को कंपनी सेवा के रूप में किराए पर देगी, जिसका चार्ज प्रति किलोमीटर 3.5 रुपये होगा। एमजी विंडसोर ईवी की बुकिंग 3 अक्टूबर 2024 से शुरू होगी और टेस्ट ड्राइव 13 अक्टूबर 2024 से उपलब्ध होगी।

फोर्ड के चेन्नई कारखाने में पुनः होगा उत्पादन शुरू

कंपनी दो साल पहले समेट चुकी थी अपना बोरिया बिस्तर

नई दिल्ली ।

अमेरिकी कार निर्माता फोर्ड ने घोषणा की कि वह अपने चेन्नई स्थित कारखाने में उत्पादन फिर से शुरू करेगी, जिसका उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजार के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्माण करना होगा। फोर्ड ने सितंबर 2021 में भारत से अपना कारोबार समेटने का निर्णय लिया था, और इसके बाद अगस्त 2022 में चेन्नई के मरैमलाई नगर कारखाने में उत्पादन बंद कर दिया था। अब, कंपनी इस कारखाने में दो साल के बाद वापसी कर रही है। फोर्ड के अंतरराष्ट्रीय बाजार समूह के अध्यक्ष के हार्ट ने बताया कि कंपनी ने तमिलनाडु सरकार को एक आशय पत्र सौंपा है, जिसमें कारखाने के निर्यात के लिए उपयोग करने की योजना का उल्लेख किया गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हाल ही में मिशिगन के डियरबॉर्न में फोर्ड के मुख्यालय का दौरा किया और कंपनी के शीर्ष प्रबंधन से अपने राज्य में उत्पादन फिर से शुरू करने की अपील की थी। यह खबर तब आई है जब कई वैश्विक ब्रांड भारत में वापसी कर रहे हैं। चीन का फास्ट फैशन ब्रांड शीन और फ्रांस की मल्टीब्रांड रिटेल

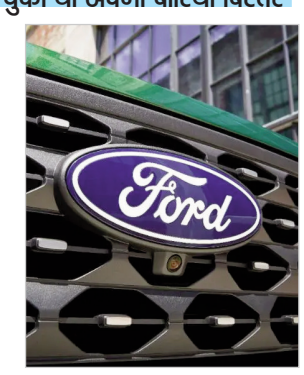

कंपनी कारफू भी भारतीय बाजार में अपने कदम जमा रहे हैं। वाहन क्षेत्र में रेनो ने भी हाल ही में बड़ी वापसी की है।

फोर्ड के हार्ट ने कहा, हमें खुशी है कि हमने भारत में तमिलनाडु सरकार को एक आशय पत्र सौंपा है, जिसमें चेन्नई कारखाने का उपयोग निर्यात के लिए करने की योजना की जानकारी दी गई है। राज्य सरकार के कई वर्षों के प्रयासों से फोर्ड की वापसी संभव हो पाई है। जुलाई 2024 में तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने मिशिगन का दौरा किया और फोर्ड के साथ बातचीत की, जो अंततः इस वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। अमेरिकी कार निर्माता फोर्ड ने भारतीय बाजार से अलविदा कहने के करीब दो साल बाद एक नई शुरुआत की योजना बनाई है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की इकाई ने 300 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना शुरू की

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी की अनुषंगी की सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी टू लिमिटेड ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 300 मेगावाट का पवन ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। कंपनी ने बयान में कहा कि आईएसटीएस (अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली) से जुड़ी पवन ऊर्जा परियोजना को भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) द्वारा चरण-10 में ठेका दिया गया। कंपनी ने बताया कि यह सेकी के लिए कंपनी द्वारा शुरू किया गया पहला नया पवन ऊर्जा संयंत्र है। कंपनी ने कहा कि नव-स्थापित पवन ऊर्जा परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा खंड में महत्वपूर्ण योगदान देगी तथा हरित एवं पर्यावरण अनुकूल भविष्य के दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करेगी। तमिलनाडु के धारापुरम में स्थित सेकी ट्रांच एक्स के अंतर्गत आवंटित अतिरिक्त 150 मेगावाट पवन क्षमता भी पूर्ण होने के करीब है, जिसमें से 138 मेगावाट पहले ही चालू हो चुकी है। जेएसडब्ल्यू के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह

उपलब्धि हमें चालू वित्त वर्ष तक 10 गीगावाट स्थापित क्षमता के हमारे लक्ष्य के और करीब ले जाती है। इसके अतिरिक्त हमारे पास नवीकरणीय परियोजनाओं की एक मजबूत पाइपलाइन है, जो हमें 2030 से पहले 20 गीगावाट के हमारे लक्ष्य की ओर ले जाएगी।

भारतीय टीम ने अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

चेन्नई (एजेंसी)। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम के सभी 16 खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले सोमवार को यहां चेपॉक मैदान में अभ्यास सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया। टीम के खिलाड़ियों ने रविवार को विश्राम के बाद अपने तीसरे अभ्यास सत्र में भाग लिया। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला का शुरुआती मैच यहां 19 सितंबर से खेला जाएगा।

अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी के लिए दिग्गज विराट कोहली सबसे पहले पहुंचे और उनके पास वाले नेट में युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अभ्यास कर रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की। इन दोनों के बाद कप्तान रोहित, शुभमन गिल और सरफराज खान बल्लेबाजी अभ्यास के लिए पहुंचे। सरफराज दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच के बाद टीम से देर से जुड़े हैं।

रोहित ने अभ्यास सत्र के दौरान स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की। हरफनमौला रविंद्र जडेजा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी स्थानीय गेदबाजों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी अभ्यास की। अभ्यास पिच से गेंदबाजों को अच्छी उछाल

मिल रही थी। दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से पहले भारतीय टीम दो और अभ्यास सत्र में भाग लेगी।

बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। चेन्नई की पिच आमतौर पर स्पिनरों के लिए मददगार होती है और ऐसे में इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय टीम तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ मैदान में उतरे। तेज गेंदबाजी का जिम्मा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर होगा जबकि स्पिन विभाग में अश्विन और जडेजा के साथ कुलदीप यादव के अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है।

ऐसी स्थिति में पिछले कुछ समय से अपने हरफनमौला खेल से लगातार प्रभावित करने वाले अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है। पंत दो साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार है। पंत के एकादश में आने से इंग्लैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल को बेंच पर बैठना होगा।

रोहित शर्मा पर रहेगी नजरें, बना सकते हैं ये बड़े रिकॉर्ड्स

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा गुरुवार से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में कुछ रिकॉर्ड्स बनाना चाहेंगे। दो मैचों की सीरीज की शुरुआत 19 सितंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगी। दूसरा लॉन्ग-फॉर्मेट गेम 27 सितंबर को कानपुर में शुरू होगा। अपने पहले टेस्ट में हेड कोच गौतम गंभीर सीरीज जीतना चाहेंगे। भारतीय कप्तान ने मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 ??में अब तक शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने नौ मैचों और 16 पारियों में 46.66 की औसत से 700 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 131 है। वह अब तक प्रतियोगिता में 12वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

1. रोहित को सीरीज के दौरान दो मील के पत्थर हासिल करने हैं। पहला मील का पत्थर हासिल करने से वह देश के सबसे बेहतरीन छक्के लगाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी विरासत को मजबूत कर लेंगे। टेस्ट मैचों में 84 छक्कों के साथ रोहित दुनिया के शीर्ष छह छक्के लगाने वालों में 11वें स्थान पर हैं। उन्हें दिग्गज वीरेंद्र सहवाग (91) को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में टीम के सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए सिर्फ आठ और बड़े हिट की जरूरत है।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (131), न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम (107) और प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट (100) दुनिया के शीर्ष तीन छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं। अगर रोहित इन दो मैचों में लगातार छक्के लगाते हैं, तो वह टेस्ट मैचों में 100 छक्के लगाने वाले चौथे और पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं।

2. 'हिटमैन' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों के अर्धशतक के भी करीब हैं। 483 मैचों में 48 शतकों के साथ वह 50 अंतरराष्ट्रीय शतकों तक पहुंचने से सिर्फ दो और शतक दूर हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल तीसरे भारतीय बल्लेबाज और ऐसा करने वाले कुल 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। वर्तमान में भारत से केवल सचिन तेंदुलकर (100 शतक) और विराट कोहली (80 शतक) ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक पार कर पाए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), आर अश्विन, आर जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

अश्विन ने चुना सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर, रोहित-कोहली को किया नजरअंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर का नाम लेते समय स्टार बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को नजरअंदाज किया और तेज गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को यह सम्मान दिया। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से ही बुमराह गेंद से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

वह 2023 के वनडे विश्व कप में 20 विकेट लेकर चौथे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और फरवरी 2024 में टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर एक रैंक पर भी पहुंचे। बुमराह ने हाल ही में टी20 विश्व कप 2024 में भारत के विजयी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें उन्होंने 4.17 की रिकॉर्ड-तोड़ इकॉनमी रेट के साथ 8 मैचों में 15 विकेट लिए थे। उनके प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार दिया गया।

अश्विन ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, 'हम चेन्नई के लोग गेंदबाजों की बहुत सराहना करते हैं। वह 4-5 दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर आए थे। हमने उन्हें रजनी जैसा व्यवहार दिया। हम (चेन्नई के लोग) गेंदबाजों के साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं। उनके साथ चैंपियन जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। मैं नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन जसप्रीत बुमराह इस समय सबसे मूल्यवान भारतीय क्रिकेटर हैं।'

पीठ की चोट से उभरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के बाद से बुमराह ने छह टेस्ट मैचों में 15.35 की औसत से 31 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार पांच विकेट भी शामिल हैं। टी20आई में उन्होंने 10 मैचों में 8.57 की औसत से 4.32 की शानदार इकॉनमी से 19 विकेट लिए हैं। वनडे में उन्होंने 2023 से अब तक 16 पारियों में 20.28 की औसत और 4.40 की इकॉनमी से 28 विकेट लिए हैं।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टेस्ट टीम की घोषणा की, 16 सदस्यीय टीम में ये प्लेयर्स शामिल

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। ओशादा फर्नांडो टेस्ट टीम में वापस आ गए हैं जिन्होंने आखिरी बार मार्च 2023 में खेला था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा दो मैचों की टेस्ट सीरीज 18 सितंबर से शुरू होने वाली है।

फर्नांडो ने श्रीलंका 'ए' के लिए शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया है, इस महीने की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ 122 और 80 रन बनाए। 33 वर्षीय खिलाड़ी निशान मदुश्का की जगह लेंगे, जो तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाने वाली टीम का हिस्सा थे। कसुन राजिथा और निसाला थारका अन्य दो खिलाड़ी हैं जो टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं, जबकि श्रीलंका ने 15 सदस्यों को बरकरार रखा है जो दौरे के लिए इंग्लैंड गए थे। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि धनंजय डी सिल्वा कप्तान के रूप में जारी रहेंगे। उन्हें दिमुथ करुणारत्ने, एंजेलो मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ पथुम निसांका, कामिंडू मेंडिस और सदीरा समरविक्रमा जैसे होनहार युवाओं का समर्थन मिलेगा।

टीम : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांदीमल, कामिंडू मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने द. कोरिया को हराकर फाइनल में बनाई जगह, चीन से होगा खिताबी मुकाबला

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। गत चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर सोमवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। भारत के लिए उत्तम सिंह (13वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (19वें और 45वें मिनट) और जरमनप्रीत सिंह (32वें मिनट) ने गोल किए, जबकि कोरिया का एकमात्र गोल यांग जिहुन (33वें मिनट) ने किया।

भारत मंगलवार को होने वाले फाइनल में मेजबान चीन से भिड़ेगा। भारत ने लीग चरण के खेल में चीन को 3-0 से हराया। इससे पहले दिन में चीन ने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को शूट-आउट के जरिए 2-0 से हराया, जब दोनों टीमें निर्धारित समय के अंत में 1-1 से बराबरी पर थीं। इस बीच, पांचवें-छठे स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में, जापान ने 60 मिनट के दौरान 4-4 की बराबरी के बाद शूट-आउट में मलेशिया को 4-2 से हराया।

हाथ में फैक्चर के बाद भी डायमंड लीग फाइनल में उतरे थे नीरज

ब्रसेल्स । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि ट्रेनिंग सत्र के दौरान हाथ में हुए फ्रैक्चर के बाद भी वह डायमंड लीग सत्र के फाइनल में उतरे। नीरज खिताबी मुकाबले में केवल एक सेंटीमीटर पीछे होने के कारण स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये और उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा। वह लगातार दूसरे साल 87.86 मीटर के थ्रो के साथ ही दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'फाइनल से पहले हुए अभ्यास सत्र के दौरान मैं चोटिल हो गया था और जांच से सामने आया कि मेरे बाएं हाथ की हड्डी में फ्रैक्चर है। यह मेरे लिए एक और दर्दनाक चुनौती थी पर अपनी टीम की सहायता से मैं ब्रसेल्स में भाग लेने में सफल रहा। उन्होंने कहा, 'यह साल का अंतिम टूर्नामेंट था पर मैं अपनी ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका हालांकि मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सत्र था जिसमें मैंने बहुत कुछ सीखा। अब मैं पूरी तरह से फिट होकर वापसी करुंगा। चोपड़ा इस सत्र की शुरुआत से ही फिटनेस से परेशान रहे थे। इसी कारण वह पेरिस ओलंपिक में भी रजत ही हासिल कर पाये जबकि पिछले ओलंपिक में उन्होंने स्वर्ण जीता था।

एमएस धोनी यूएसए में मना रहे वेकेशन, फुटबॉल मुकाबला देखने पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी इस समय यूएसए में खाली समय का आनंद लेते देखे जा रहे हैं। अपने दोस्तों के साथ यूएसए में अमेरिकी फुटबॉल मुकाबला देखने पहुंची धोनी की एक फोटो सोल मीडिया पर वायरल हुई हैं। फैंस ने आखिरी बार धोनी को आरसीबी बनाम चेन्नई के बीच आईपीएल 2024 के मुकाबले में देखा था। चेन्नई नॉकआऊट मुकाबले में आरसीबी से हार गई थी। इस मैच के बाद से उम्मीद थी कि रांची का यह क्रिकेटर संन्यास ले लेगा, लेकिन उसने ऐसा कुछ नहीं किया। उम्मीद है कि वह आगामी आईपीएल सीजन में भी सक्रिय नजर आएंगे। धोनी आईपीएल से संन्यास पर पहले ही बोल चुके हैं कि वह वहीं करेंगे जो टीम के लिए सबसे अच्छा होगा। दूसरी ओर, आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक प्रतियोगिता के आगामी सीजन के लिए रिटेंशन नियमों की घोषणा नहीं की है। आईपीएल के आगामी संस्करण से पहले मेगा नीलामी होनी है जहां सभी फ्रेंचाइजियों को अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों के नाम बताने हैं। चेन्नई के लिए यह सबसे बड़ी मुसीबत हो सकती है क्योंकि अगर वह महेंद्र सिंह धोनी को बनाए रखते हैं तो उन्हें अपने शीर्ष खिलाड़ियों को रिलीज करना होगा जोकि सीएसके का भविष्य है। अगर यह खिलाड़ी आईपीएल बोली में गए तो उनपर और भी टीमें दांव लगाने को तैयार रहेंगी।

गावस्कर ने टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम को किया सतर्क, कहा- बांग्लादेश के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश का सामना करने को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेहमान टीम पाकिस्तान में 2-0 की ऐतिहासिक सीरीज जीत के बाद आ रही है।

भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19-23 सितंबर तक चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच से करेगा। इसके बाद दोनों टीमें 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट खेलेंगी। पाकिस्तान में खेले गए दोनों टेस्ट मैचों में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश की टीम ने दिखा दिया है कि वे एक ताकत हैं। कुछ साल पहले भी जब भारत ने बांग्लादेश का दौरा किया था, तो बांग्लादेशियों ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी। अब पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद वे भारत से भी भिड़ने के लिए तैयार हैं।

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, 'उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और कुछ नए होनहार खिलाड़ी हैं, जिनमें अब वह खौफ नहीं रहा जो अंतरराष्ट्रीय खेल में उनके शुरुआती दौर की खासियत थी। अब, उनके साथ खेलने वाली हर टीम जानती है कि वे अपनी सतर्कता नहीं खो सकते क्योंकि उन्हें पटखनी दी जा सकती है, जैसा कि पाकिस्तानियों ने पाया। यह निश्चित रूप से एक ऐसी सीरीज होगी जिसका बेसब्री से इंतजार किया जाएगा।'

दोनों टेस्ट मैच मौजूदा 2023-2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र का हिस्सा हैं, जहां भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बांग्लादेश 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज भारत के लिए 10 मैचों के कठिन टेस्ट सीजन की शुरुआत भी है, जिसमें अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी भी शामिल है। इसके बाद भारत 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगा, जिसका आयोजन अगले साल 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में किया जाएगा।

गावस्कर ने कहा, 'भारत को अगले साढ़े चार महीनों में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं और उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अच्छा मौका देने के लिए उनमें से कम से कम पांच जीतने की जरूरत है। इनमें से कोई भी टेस्ट आसान नहीं होगा और इसलिए हम क्रिकेट के रोमांचक समर का आनंद ले सकते हैं।'

उन्हें यह भी लगता है कि अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र शुरू होने से पहले दलीप ट्रॉफी की मेजबानी करना बीसीसीआई द्वारा एक स्मार्ट कदम था, जबकि उन्होंने स्वीकार किया कि पहले दो राउंड से यह पता नहीं चला कि मैचों में बल्लेबाज कितने अच्छे थे। पूर्व क्रिकेटर ने

कहा, 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ठंडा पड़ना कभी भी आसान नहीं होता है, विपक्ष की गुणवत्ता की तो बात ही छोड़िए। इस बार सभी भारतीय गेंदबाजों को आराम दिए जाने के बाद, यह देखना आसान नहीं होगा कि कौन सा बल्लेबाज अच्छा है क्योंकि वे मूल रूप से दूसरे दर्जे के गेंदबाजों के साथ खेलेंगे। इसलिए जबकि आने वाले सीजन के लिए मैच अच्छे होंगे, चयनकर्ताओं को यह पता नहीं चल पाएगा कि बल्लेबाज वास्तव में कितने अच्छे हैं।'

आईपीएल के अगले सत्र में रहाणे सहित ये तीन खिलाड़ी शायद ही सीएसके में नजर आयें

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से आईपीएल के अगले सत्र में बदली बदली सी नजर आयेगी। इसमे अनुभवी आजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर शायद ही नजर आयें। इस बार होने वाली नीलामी में इन्हें रिटेन (बरकरार) रखे जाने की संभावना नहीं है। इसके अलावा मुस्तफिजुर रहमान, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, शेख रशीद, मिटेस सैंटनर जैसे खिलाड़ियों को भी शायद ही रखा जाये। कहा जा रहा है कि इस बार टीम पहले के 6 खिलाड़ियों को बनाये रखेगी। सीएसके के पास अभी 25 खिलाड़ी हैं इसमें विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 8 है। वहीं देश के ही 17 खिलाड़ी हैं। इसमें अनकैप्ड और अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी इस साल के अंत में दिसंबर महीने में होगी तभी साफ होगा कि किसे टीम में जगह मिलती है किसे नहीं। आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से पहले रिटेन किये जाने वाले खिलाड़ियों की मांग टीमें कर रही हैं, ऐसे में अगर बीसीसीआई खिलाड़ियों को रिटेन करने की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 करता है तो सीएसके 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। सीएसके के पास मौजूदा अभी 25 खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप से पहले मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं भारतीय खिलाड़ी : हरमनप्रीत

मुंबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी लंबे समय से मानसिक रूप से मजबूत बनने पर काम कर रहे हैं जिससे उन्हें अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में मदद मिलेगी। भारत 2020 में टी20 विश्व कप में उपविजेता रहा था। उसे छह बार के विजेता और मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। हरमनप्रीत ने सोमवार को कहा कि भारतीय खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत बनने पर काम कर रहे हैं ताकि मैच के महत्वपूर्ण अवसरों पर अपना सर्वश्रेष्ठ

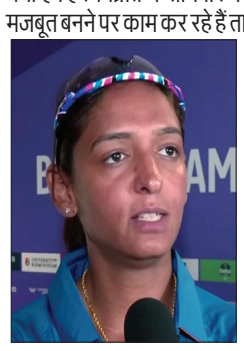

प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स से कहा,''हम लंबे समय से मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। मैच के दौरान आखिरी तीन चार ओवर बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। टी20 क्रिकेट कोई छोटा प्रारूप नहीं है क्योंकि आखिरकार आप इसमें 40 ओवर खेलते हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा,''मैच के आखिरी चार-पांच ओवर में मानसिक रूप से मजबूत टीम बाजी मारती है। हम पिछले कुछ समय से इस पर ध्यान दे रहे हैं। अगर हम इन आखिरी पांच ओवर में मानसिक रूप से मजबूत बने रहते हैं तो फिर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।'' भारतीय टीम के फाइनल में लचर प्रदर्शन पर चर्चा होती रही है। उसे 2020 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 85 रन से हार का सामना करना पड़ा था जबकि वनडे विश्व कप 2017 के फाइनल में वह इंग्लैंड से केवल नौ रन से हार गई थी। यहां तक कि राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को नौ रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। हरमनप्रीत ने कहा,''हम इन पहलुओं पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि टूर्नामेंट में हम इन बाधाओं को पार करने में सफल रहेंगे।'' भारत टी20 विश्व कप में चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और फिर छह अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। भारतीय टीम नौ अक्टूबर को श्रीलंका से भिड़ेगी।यह तीनों मैच दुबई में खेले जाएंगे। भारत ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच 13 अक्टूबर को शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा।

45वां शतरंज ओलंपियाड : भारत की जीत का सिलसिला जारी, यूक्रेन और वियतनाम ने यूएसए और उज्बेकिस्तान को दी मात

बुडापेस्ट , हंगरी। बुडापेस्ट में चल रही 45वीं शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना विजय अभियान जारी रखा। पुरुष वर्ग में भारत ने सर्बिया को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिला वर्ग में भारत ने फ्रांस को 3.5-0.5 से मात दी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और विदित गुजराती ने सर्बिया के अलेक्जेंडर प्रेडके और वेलिमिर इविच के खिलाफ शानदार एंडगेम खेल दिखाते हुए जीत दर्ज की। अर्जुन एरीगैसी ने भी सर्बिया के अलेक्जांडर इंडजिक के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। भारतीय महिला टीम की हरिका द्रोणावल्ली, तानिया सचदेव और दिव्या देशमुख ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। विशेष रूप से दिव्या देशमुख का खेल रोमांच से भरा था, जहां दोनों खिलाड़ियों के पास जीत के मौके थे, लेकिन दिव्या ने अंतत: जीत अपने नाम की।

अगस्त के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए वेलालागे और हर्षिता

ब्रसेल्स (एजेंसी)। दुबई = श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को सोमवार को अगस्त 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वेलालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर प्रभावित किया।

इससे पहले सिर्फ एक बार किसी महीने में एक ही देश के दोनों पुरुष और महिला खिलाड़ियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। इस साल जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और उनकी हमवतन स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। वेलालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता।

वेलालागे को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2-0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट सहित श्रृंखला में कुल सात विकेट भी चटकाए। यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां मौका है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं। वेलालागे ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है।

उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिली है क्योंकि यह सम्मान मुझे एक खिलाड़ी के रूप में अच्छा काम जारी रखने और मैदान में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपनी टीम में योगदान देने की और ताकत देगा।% वेलालागे ने कहा, 'आईसीसी से मिलने वाली इस तरह की मान्यता हमारे जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।%

दूसरी तरफ महिला पुरस्कार की दौड़ में हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। आयरलैंड दौरे पर हर्षिता एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली श्रीलंका की सिर्फ तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं। बाएं हाथ की 26 वर्षीय बल्लेबाज हर्षिता ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 169.66 के स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाए जिसमें पहले मैच में 45 गेंद में नाबाद 86 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल है।

उन्होंने बेलफास्ट में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 82.69 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए जिसमें दूसरे मैच में 105 रन की

पारी भी शामिल है। हर्षिता आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनने वाली श्रीलंका की सिर्फ दूसरी क्रिकेटर हैं। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू इस साल मई और जुलाई में दो बार यह खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

सुरत भुमि, सूरत। शिव उत्सव समिति मित्र मंडल द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में सोमवार की शाम भव्य महा आरती का आयोजन किया गया। इस महा आरती में विस्तार एवं शहर के कई अग्रणी लोगों ने भगवान श्री गणेश की आरती की।

सूरत को ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने के लिए सूरत इकोनॉमिक डेवलपमेंट ग्रोथ हब योजना का शुभारंभ 19 तारीख को मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा

सूरत। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के सपने को साकार करने के लिए, केंद्र सरकार की नीति आयोग की पहल ने भारत के चार सबसे तेजी से बढ़ते शहरों सूरत, वाराणसी, मुंबई को विकसित करके मेगा आर्थिक विकास की शुरुआत की है। और विजाग (आंध्र प्रदेश) और उनके आसपास के क्षेत्रों को च्विकास केंद्रज्ज बनाने की एक अनूठी दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जिसमें सूरत और उसके आसपास के नवसारी, भरूच, डांग, तापी और वलसाड जिलों को च्ग्रोथ हबज् के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है, जिसके तहत सूरत सहित दक्षिण गुजरात के जिलों के साथ सूरत इकोनॉमिक डेवलपमेंट ग्रोथ हब योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल दिनांक 19/09/ शुभारंभ 2024 को प्रात: 10.00 बजे ली मेरिडियन होटल में होगा। कार्यक्रम की योजना बनाने के लिए जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, नगर निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर कार्यालय में शहर और जिले के उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ चरणबद्ध बैठक की गई.

बैठक में आयुक्त और जिला कलेक्टर ने सूरत के क्रेडाई, आर्किटेक्चर, आईटी, बैंकर्स, डायमंड, टेक्सटाइल, फोस्टा, चैंबर्स, जीआईडीसीओ, हजीरा कंपनियों, स्वास्थ्य क्षेत्र, होटल और ट्रैवल्स एसोसिएशन, खाद्य प्रसंस्करण, जरी, कढ़ाई, फार्मा सेक्टर पर चर्चा की।, वीवर्स एसोसिएशन, वकील मंडल, एकवा संस्कृति, शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव, जीएमआरसी, मेट्रो, बुलेट ट्रेन जैसे 25 से अधिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक चरणबद्ध बैठक की गई और सूरत किन क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर सकता है। 2047 के विकसित भारत में विकसित सूरत के दृष्टिकोण के साथ। उसी के लिए एक दृष्टिकोण को योजना में शामिल किया गया है जिस पर चर्चा की गई और लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। योजना का शुभारंभ छह सत्रों में सेमिनार के साथ होगा, जिसमें आर्थिक क्षेत्र, शहरी, उच्च शिक्षा, पर्यटन, स्थिरता और जलवायु परिवर्तन, विकसित भारत का विजन, भारत बाजार जैसे विषयों पर सेमिनार होंगे। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता, विशेषज्ञ, उद्योगपति, शिक्षाविद, हीरा-कपड़ा, रंगाई-छपाई, रत्न एवं आभूषण, स्वास्थ्य, होटल एसो., सहकारी क्षेत्र, चीनी मिलें, एपीएमसी, खाद्य प्रसंस्करण, इक्का फार्मिंग, जीआईडीसी के अध्यक्ष, क्रेडाई, प्रतिनिधि शामिल हैं। सीए, सौर ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से भाग लेंगे।

सुरत भुमि, सूरत। गणेश उत्सव के दसवें दिन सनातन युवा संगठन द्वारा स्थापित किए गए गणेश पंडाल में कथा का आयोजन किया गया था। कथा के बाद भगवान श्री गणेश की महा आरती की गई। जिस आरती में समाज के कई अग्रणी लोगों ने भाग लिया और भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया।

"गणपति बप्पा का स्वागत: आस्था, मित्रता और उत्सव का एक आनंदमय उत्सव"

सुरत भुमि, सूरत।

व्हाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल में, हमने हर्षोल्लास के साथ गणपति बप्पा का हार्दिक स्वागत करते हुए गणेश चतुर्थी मनाई। यह पवित्र दस दिवसीय त्योहार हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया जाता है। यह हमारे किंडरगार्टन के छात्रों के लिए एक विशेष समय है, जब वे भगवान गणेश को सम्मान देते हैं और मानते हैं कि ज्ञान के भगवान उनका जन्मदिन मनाने और उन्हें अच्छे स्वास्थ्य, ज्ञान और अच्छे आदर्शों का आशीर्वाद देने आए हैं।

इस त्यौहार को हमारी छोटी लड़कियों ने जीवंत बना दिया, जिन्होंने भगवान गणेश के लिए एक पार्टी की योजना बनाई, हाथी देवता की सुंदर छवियां बनाई और उनकी मूर्ति को प्यार और रचनात्मकता से सजाया। हमारे प्राथमिक छात्र भगवान गणेश को एक बच्चा और एक मित्र मानते हैं और जब वे उनके दर्शन करते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होती है। उनकी उपस्थिति उपहार, मिठाइयाँ और पारंपरिक मिठाइयाँ और नमकीन भोजन लाती है। बच्चे एक साथ गाते हैं, "हे मेरे मित्र गणेश, सदैव मेरे साथ रहो!"

हमारी प्रिंसिपल श्रीमती पूर्विका सोलंकी ने इन दिनों को विशेष बनाया, कई रोमांचक गतिविधियों का आयोजन किया और आनंदमय प्रार्थना आरती का आयोजन किया, जिससे इन दिनों को बच्चों के लिए और भी यादगार बना दिया गया। यह त्यौहार उनके लिए एक सच्चा उत्सव है, जिसमें वे अपने प्यारे दोस्त के साथ दस दिन खुशी से बिताते हैं।

अपने जादुई दोस्त को अलविदा कहना कठिन है, लेकिन वे यह सोचकर निकलते हैं कि जैसे ही वे स्कूल के बाद घर जाते हैं, भगवान गणेश भी अपने निवास स्थान पर वापस चले जाते हैं।

हिन्दू एवं मुस्लिम भाइयों द्वारा सद्भावना सभा का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

लिम्बायत क्षेत्र में साम्प्रदायिक एकता भाईचारा बनाए रखने तथा लिम्बायत की धरती से शांति का सन्देश देने के लिए प्रताप नगर स्थित लिम्बायत गणपति पंडाल के पास हिन्दू एवं मुस्लिम भाइयों द्वारा एक सद्भावना सभा का आयोजन किया गया, जिसके उपलक्ष्य में उत्सव का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन तेलुगु समाज के नेता बुच्ची रामलू मास्टर और लिंबायत एडवोकेट सागर भाई वेल्डी सत्य नारायणभाई द्वारा किया गया था जिसमें लिंबायत पुलिस स्टेशन पी.आई श्री उपस्थित थे और मुस्लिम समुदाय के नेताओं को आमंत्रित किया गया था और एकता के साथ जश्न मनाने के लिए एक विशेष संदेश भेजा गया था।

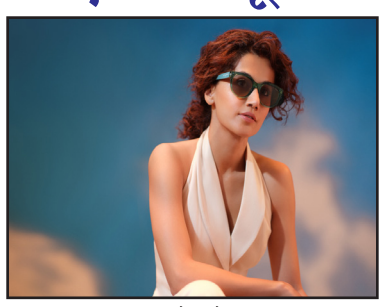

वोग आईवियर ने ब्रांड एंबेसडर तापसी पन्नू के साथ एक्सक्लूसिव आईवियर कलेक्शन लॉन्च किया

अपने बहुमुखी और फैशनेबल आईवियर के लिए मशहूर वोग आईवियर ने अपने नवीनतम कलेक्शन के लॉन्च की घोषणा की है, जिसे प्रसिद्ध अभिनेत्री और ब्रांड एंबेसडर तापसी पन्नू के साथ मिलकर तैयार किया गया है। यह एक्सक्लूसिव लाइन आधुनिक सुरुचिपूर्ण और साहसी परिष्कार का आदर्श मिश्रण है, जो तापसी की अनूठी शैली और वोग आईवियर की फैशन-फॉरवर्ड डिजाइनों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

नए कलेक्शन में 5 ग्लैमरस मॉडल शामिल हैं; 3 सनग्लास और 2 ऑप्टिकल फ्रेम एक अनोखे और नए रंग, टर्कॉइज़ में हैं जो आपके लुक में चार चांद लगा देंगे। इस रेंज में ओवरसाइज़्ड बटरफ्लाई, सिनुअस कैट आई और रेट्रो अनियमित जैसे कई आकार शामिल हैं जो हर मूड और अवसर के लिए उपयुक्त हैं। प्रत्येक आईवियर को विस्तार से ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और इसमें कंट्रास्टिंग मेटल नोज़ ब्रिज और एक्सक्लूसिव डीबॉस्ड पैटर्न जैसे डेकोर एलिमेंट शामिल हैं।

तापसी पन्नू ने कहा, "मैं अपने विशेष सहयोग कलेक्शन को वोग आईवियर के साथ साझा करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। टर्कॉइज़ मेरे पसंदीदा रंगों में से एक है; एक परफेक्ट पेस्टल जो हर लुक को तुरंत चमकदार बना देता है, इसलिए मैंने इसे अपने सभी स्टाइल्स के लिए चुना है। इस लाइन का हर टुकड़ा वास्तव में अनूठा है और मेरे व्यक्तिगत स्टाइल का प्रतिबिंब है ङ्क साहसी, आत्मविश्वासी और बिना किसी झिझक के अनोखा।"

इस कलेक्शन में 'तापसी × वोग आईवियर' की को-ब्रांडिंग आईवियर टेंपल के अंदर और अभिनेत्री के लोगो को टेंपल टिप्स पर भी शामिल किया गया है। सभी आईवियर स्टाइल्स उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों से बनाए गए हैं, जो आराम और स्थायित्व सुनिश्चित करते हैं, जबकि लेंस 100% यूवी सुरक्षा प्रदान करते हैं, और इसके साथ एक सुंदर, व्यक्तिगत पैकेज्ड बॉक्स आता है।

गुंजन सैगल, ब्रांड ग्रुप हेड - लग्ज़री, प्रीमियम और फास्ट फैशन ने कहा, "वोग आईवियर आत्म-अभिव्यक्ति को रेखांकित और मनाता रहता है। हम तापसी पन्नू के साथ अपने सहयोग को एक नए रोमांचक चरण में ले जाने के लिए गर्व महसूस कर रहे हैं। यह कलेक्शन ट्रेंडसेटिंग, बहुमुखी स्टाइल्स से भरा हुआ है, प्रत्येक में तापसी पन्नू द्वारा क्यूरेट किए गए व्यक्तिगत और अनूठे तत्व हैं, जो उनकी पहचान और चंचलता को व्यक्त करते हैं। यह कलेक्शन फैशन प्रेमियों के लिए बेहद आवश्यक है।"

सूरत के एल.पी.सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा महारक्तदान शिविर में 6303 रक्त यूनिट एकत्रित किया गया

सूरत। 15 सितंबर 2024 रविवार को एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स में महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भारत के भविष्य विद्यार्थियों में सेवा का गुण विकसित करना तथा प्रत्येक दान में उत्कृष्ट रक्तदान के महत्व को समझकर समाज की मदद करने का अपना कर्तव्य निभाना है जिसमें विद्यालय के युवाओं से बड़ी संख्या में रक्तदान कर मानवता के इस महान कार्य में शामिल होने का आह्वान किया गया। जिसमें सभी आमंत्रित अतिथि, संस्था के अध्यक्ष श्री मावजीभाई सवानी, उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्रभाई सवानी, सभी ट्रस्टी, निदेशक, प्राचार्य, पर्यवेक्षक एवं शिक्षक रक्तदान शिविर में उपस्थित रहे और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इसके लिए छात्रों ने गणेश पंडालों, बाजार, फायर स्टेशन, आवासीय क्षेत्र, कार्यालय, जिम जैसे विभिन्न स्थानों पर लोगों से मिलकर और पूरे स्कूल में रक्तदान जागरूकता पोस्टर लगाकर लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस वर्ष सूरत के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हमारी कुल 6 शाखाओं में शिक्षकों के अथक प्रयासों और अभिभावकों के बहुमूल्य सहयोग से छात्रों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया दिनांक: 15-09-2024 रविवार को। शिविर को सूरत के विभिन्न ब्लड बैंकों के साथ-साथ एचडीएफसी बैंक और रोटरी क्लब से भी अमूल्य समर्थन मिला। इसके लिए विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों ने रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक रक्त एकत्रित कर शिविर को सफल बनाया। शिविर में एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की कुल 6 शाखाओं द्वारा कुल 6303 यूनिट रक्तदान प्राप्त हुआ। जिसके लिए विद्यालय परिवार सर्वेक्षण द्वारा रक्तदाताओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों, सेवकों एवं सामाजिक संस्थाओं को धन्यवाद दिया गया।

एल.पी. रक्तदान शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सावनी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन श्री मावजीभाई सवाणी ने शहर में दिवाली की छुट्टियों के दौरान रक्त की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन कर मानवता को उजागर करना था। तो ऐसे कई जीवन रक्षक और मानवता कायम रखने वाले कार्यक्रमों के लिए एल.पी. सावनी ग्रुप ऑफ स्कूल्स सदैव तत्पर है और रहेगा।

पैलेट्रो लिमिटेड का आईपीओ 16 सितंबर 2024 को खुलेगा

PELATRO
Be Relevant

हमारा एक वैश्विक प्रौद्योगिकी व्यवसाय है और हमने एक व्यापक ग्राहक सहभागिता मंच यानी mViva विकसित किया है जो किसी उद्यम या ब्रांड और उसके अंतिम उपयोगकर्ताओं के बीच ग्राहक-केंद्रित बातचीत को सशक्त बनाता है। हमारा प्लेटफ़ॉर्म उद्यमों को अपने ग्राहकों के व्यवहार और अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ उनके रिश्ते और संतुष्टि को बढ़ाने की ज़रूरतों को गहराई से समझने में सक्षम बनाता है। हमारा उपभोक्ता मंच mViva 30 देशों में लगभग एक अरब उपभोक्ताओं के बीच दैनिक आधार पर प्रत्येक उद्यम के लिए भारी मात्रा में डेटा एकत्र और संसाधित करता है। mViva ग्राहक सहभागिता प्लेटफ़ॉर्म में विभिन्न वर्टिकल समाधान शामिल हैं जो प्लेटफ़ॉर्म में सहजता से एकीकृत हैं और ऐसे उत्पाद पेश करते हैं जिनमें अभियान प्रबंधन समाधान, लॉयल्टी प्रबंधन समाधान, लीड प्रबंधन समाधान और डेटा मुद्रीकरण समाधान शामिल हैं।

पैलेट्रो लिमिटेड ने 16 सितंबर, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है। इसका लक्ष्य एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के साथ फंड को रू55.98 करोड़ तक बढ़ाना है। यह इश्यू रू10 के अंकित मूल्य पर 27.99 लाख इक्विटी शेयरों तक का है।

इश्यू के उद्देश्य (पैल्ट्रो आईपीओ उद्देश्य): कंपनी इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए करना चाहती है:

हमारी कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए; आईटी उपकरण, कंप्यूटर हार्डवेयर, सर्वर और अन्य सहायक उपकरणों की खरीद और स्थापना; सहायक कंपनी में निवेश;कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं का वित्तपोषण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।

क्युमुलेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड पैलेट्रो लिमिटेड आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। पैलेट्रो लिमिटेड के लिए बाजार निर्माता श्री बाहुबली स्टॉक ब्रोकिंग है।

सैमसंग ने गैलेक्सी S24 अल्ट्रा की कीमतों में की कटौती, भारत में अब सिर्फ 1,09,999 रुपये में उपलब्ध

गुरुग्राम।

सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड ने आज अपने लोकप्रिय स्मार्टफोन, गैलेक्सी स़24 अल्ट्रा की नई कीमतों की घोषणा की है।

गैलेक्सी S24 अल्ट्रा अब सीमित समय के ऑफर के तहत 12 सितंबर 2024 से सिर्फ 1,09,999 रुपये में उपलब्ध होगा, जबकि इसकी असली कीमत 1,29,999 रुपये थी। इस खास कीमत में 8000 रुपये का इंस्टेंट कैशबैक और 12,000 रुपये का अपग्रेड बोनस शामिल है। इसके अलावा, ग्राहक 12,000 रुपये का बैंक कैशबैक भी पा सकते हैं और 24 महीने की बिना ब्याज वाली EMI का विकल्प भी चुन सकते हैं।

गैलेक्सी S24 अल्ट्रा ने मोबाइल तकनीक के नए युग में कदम रखा है, जिससे ग्राहकों को गैलेक्सी AI के साथ बहुत कुछ करने की सुविधा मिलती है। इस फोन ने बातचीत को एक नए तरीके से पेश किया है। अब फोन कॉल्स के दौरान लाइव अनुवाद किया जा सकता है, जिसमें दोनों तरफ की आवाज़ और टेक्स्ट का रियल-टाइम ट्रांसलेशन होता है। इंटरप्रेटर फीचर के जरिए, बातचीत को स्प्लिट-स्क्रीन पर तुरंत अनुवाद किया जा सकता है, और ये फीचर मैसेजेस और दूसरे ऐप्स पर बिना इंटरनेट के भी काम करता है। चैट असिस्ट फीचर, बातचीत के दौरान सही और समान स्वर बनाए रखने में मदद करता है। सैमसंग कीबोर्ड अब हिंदी समेत 13 भाषाओं में रियल-टाइम मैसेज ट्रांसलेट कर सकता है।

सैमसंग नोट्स में 'नोट असिस्ट' की मदद से यूजर्स AI-जनरेटेड समरी और प्रीमेड फॉर्मेट में नोट्स तैयार कर सकते हैं। वॉयस रिकॉर्डिंग के दौरान अगर कई लोग बोल रहे हों, तो 'ट्रांसक्रिप्ट असिस्ट' फीचर उस रिकॉर्डिंग को ट्रांसक्राइब, समराइज और ट्रांसलेट करने के लिए AI और स्पीच-टू-टेक्स्ट तकनीक का उपयोग करता है। इसके अलावा, गैलेक्सी S24 अल्ट्रा में गूगल के साथ 'सर्कल टू सर्च' फीचर भी शामिल है, जो यूजर्स के लिए जानकारी खोजना और भी आसान बनाता है।

गैलेक्सी S24 अल्ट्रा में प्रोविजुअल इंजन फीचर है, जो AI से पावर्ड टूल्स का एक बेहतरीन सेट है। यह आपकी तस्वीरें लेने की क्षमता को नए स्तर पर ले जाता है और आपको रचनात्मक स्वतंत्रता देता है। इसमें क्वाड टेली सिस्टम के साथ 5× ऑप्टिकल जूम लेंस दिया गया है, जो 50 स्ड्ढ सेंसर पर काम करता है। इससे 2×, 3×, 5× से लेकर 10× तक के जूम लेवल पर भी आपको ऑप्टिकल क्वालिटी की बेहतरीन परफॉर्मेंस मिलती है, और इसका श्रेय एडैप्टिव पिक्सल सेंसर को जाता है। 100× डिजिटल जूम पर ली गई इमेज भी साफ और शानदार दिखती हैं। अपग्रेड की गई नाइटोग्राफी क्षमताओं के साथ, गैलेक्सी S24 अल्ट्रा पर स्पेस जूम का इस्तेमाल करके ली गई तस्वीरें और वीडियो हर स्थिति में बेहतरीन होते हैं, चाहे आप उन्हें कितना भी जूम करें। इसका बड़ा पिक्सल साइज अब 1.4 μm है, जो पहले से 60त्न बड़ा है, जिससे कम रोशनी में भी ज्यादा लाइट कैप्चर करने में मदद मिलती है।

गैलेक्सी S24 अल्ट्रा 6.8 इंच के फ्लैट डिस्प्ले के साथ आता है, जो न सिर्फ देखने के लिए बल्कि काम करने के लिए भी बेहतरीन है। इसमें स्नैपड्रैगन0 8 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया है, जिससे AI प्रोसेसिंग और भी तेज हो जाती है। इसकी 2600 निट्स की पीक ब्राइटनेस इसे और भी खास बनाती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)